अपने वचन को साबित करता है

आइए हम एक क्षण के लिए अपने सिरों को झुकाएं। प्रिय स्वर्गीय पिता, हम आभारी हैं कि हम आज रात यहां हैं। हम, हम आभारी हैं कि हम जानते हैं कि आपकी उपस्थिति यहां पर हमारे साथ है। अब हम प्रार्थना करते हैं कि आप हम में से हर एक की आवश्यकता के अनुसार सेवा करें। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन। (आप बैठ जाए।)

बस इन माइक्रोफोन को चालू देखकर अच्छा लगा। मुझे कल इस तरह की गड़बड़ी के लिए बहुत खेद है, वह संदेश जिसे मैं चाहता था कि आप अच्छी तरह समझें।

2 और मैं चाहता था कि आप इसे जरुर देखें। यह वह—वह लंगर है जो हमारे पास है। हम एक कलीसिया से डाले हुए नहीं हैं। हम मसीह में लंगर डाले हुए हैं, आप देखिए। केवल वही वो मार्ग है। वही एकमात्र सुरक्षित स्थान है, केवल वही स्थान है जहां परमेश्वर ने अपना नाम रखा है। और परमेश्वर ने कहा कि वह लोगों से उस स्थान पर मिलेगा, जहां उसने अपना नाम रखने के लिए चुना है; ना ही किसी भी फाटक में, लेकिन उस फाटक में जिसे उसने चुना है। और उस स्थान में वह लोगों से मिलेगा, और केवल वहीं पर। और हम पाते हैं कि परमेश्वर ने कभी भी अपना नाम अपने पुत्र यीशु मसीह के आलावा कहीं और नही रखा है, जैसे पुत्र हमेशा पिता का नाम लेता है।

और अब आप कहते हैं, “अच्छा, क्या आज के लिए यह बात लागू होती है? हर कोई कहता है, ‘मैं यीशु में हूं।’”

3 वो वचन है। कि, “आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया।” फिर से, यह प्रकाशितवाक्य के 19वें अध्याय में भी लिखा है, जब हमने उसे आते देखा, दूल्हा और दुल्हन के रूप में, उसका वस्त्र लहू में डूबा हुआ था, “उसका नाम ‘परमेश्वर का वचन’ कहलाया।” वह परमेश्वर का वचन है।

4 और, यही है, वही वो जिलाने वाली सामर्थ है। वही वो पवित्र आत्मा है, वो—वो गतिकी है जो यांत्रिकी में आती है, जो वचन है, जो इसे जीवित

बनाता हैं। और इस सब को एक साथ मिलकर काम करना है, अन्यथा यह बस काम नहीं करेगा। इसे सम्पूर्ण बाईबल को लेना है, सम्पूर्ण मसीह को, सम्पूर्ण सुसमाचार को।

5 मैं इस विशेष समूह से कहना चाहता हूं, जिसे मैंने कल रात टेलीविजन पर देखा था, मुझे यह पता था कि यह प्रसारित होने वाला है, और मैंने इसे देखा। मैं उन भाइयों पर टिप्पणी करना चाहता हूं, जो उस विशेष समूह में थे, प्रश्नों के उत्तर क्या ही अद्भुत और कुशल तरीके से दिए! और मैं बहुत ही बड़ा आलोचक हूं, वैसे भी, आप जानते हैं, लेकिन वहां आलोचना करने के लिए कुछ भी नहीं था। यह पूरी तरह से सच्चा था, और मैं इससे सौ प्रतिशत सहमत हो सकता हूं। [सभा के लोग तालियां बजाते है—सम्पा।] धन्यवाद। आमीन। उन उत्तरों ने बिल्कुल सही बात को स्पष्ट किया। मैंने निश्चय ही इसकी सराहना की है। मैं केवल यही चाहता हूं कि मेरे पास मेरी स्थानीय कलीसिया में दिखाने के लिए एक फिल्म होती। यह वास्तव में अच्छा था।

6 और मैं यह जानकर बहुत आभारी हूं कि—कि परमेश्वर ने अन्य क्षेत्रों में व्यवहार किया है, हमारे अपने पेंटीकोस्टल झुण्ड के अलावा, और लोगों को वहां से ले रहा हैं, परमेश्वर के वे बीज, जो इतने वर्षों से वहां पड़े हुए हैं, उजियाले को उन पर चमकने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

7 और मित्रों, यह हमें चेतावनी भी देता है, ये जानने के लिए, कि यीशु ने कहा, “जब यह सोई हुई कुंवारी तेल खरीदने के लिए आने लगी, तो उसी समय पर दूल्हा आता है।” तो हम इस बात से देख सकते हैं, जब हम एपिस्कोपेलियन, प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, लूथरन को देखते हैं, जब वह तेल लेने के लिए वहां आ रहे थे, तब यही वो समय था जब दूल्हा आ गया। आइए इसे याद रखें।

8 मेरे बेटे बिली ने मुझसे कभी ऐसी कोई बात को नहीं कहा, जो उसने अभी कुछ क्षण पहले कहा। उसने कहा, “डैडी, मैं आपको नहीं बताता हूं कि क्या करना है। मेरा मतलब आपको किसी भी बात से प्रभावित करने का नहीं है, लेकिन,” कहा, “डैडी, आप जो कुछ भी करते हैं, अपना सारा समय उन बीमार लोगों के लिए लगाते हैं।” उसने कहा, “मैंने इतने बीमार लोगों को कभी नहीं देखा!” कहा, “मैंने एक या दो मिनट में ही दो सौ कार्ड बांट दिए है।” कहा, “बहुत से लोग बीमार है!” वह मुझे ऐसा कभी कभार

ही ऐसा बताता है।

9 और फिर मैं आज रात यहां कुछ छोटी–छोटी बातों को यहाँ लिख कर आया हूं, और आने वाले न्याय पर कुछ टिप्पणियों को लिखा है, और यह जानते हुए कि हम आज रात यहां परमेश्वर के उसी क्रोध के साथ बैठे हैं, जो हमारे नीचे ही हलचल कर रहा है, और शीघ्र ही वह सब कुछ नष्ट कर देगा। और यह जानते हुए कि परमेश्वर का क्रोध रुका हुआ है; ठीक इसी समय यह कहा जाएगा, यह लाखों लोगों के लिए समाप्त हो जाएगा। और मैं अपने ह्रदय में यह जानता हूं, और जानता हूं कि ऐसा ही है! और फिर हम बहुत से बीमारों को आग्रह करते और जोर लगाते हुए देखते हैं।

10 और मैंने सोचा, "आज रात, उनमें से अधिकतर मसीही लोग हैं।" और मैं यह कहना चाहता हूं, आप परमेश्वर की संतान हो। आप जो भी करे, आप बाकी की सारी चीजों को छोड़ दे। आप अपने पूरे ह्रदय से दिन और रात परमेश्वर की सेवा करे। आप, आप महसूस कर सकते हैं कि कुछ तो गड़बड़ है। सड़क पर चलते समय भी आप इसे समझ सकते हैं... और जहाँ कहीं भी आप जाते हैं। आप समझते हैं, यदि आप आत्मिक हैं तो; और मैं जानता हूं कि आप है।

11 और मैं एक व्यक्ति से बात कर रहा था, भाई स्ट्रोमी से। मैं नहीं जानता कि टोनी यहां पर है या नहीं। वो, वो था... [एक भाई कहता है, "टोनी सलामेह? "—सम्पा।] टोनी सलामेह, सलामेह, सलामेह? नहीं। मैंने गलत टोनी को लिया। [एक भाई कुछ कहता है।] नहीं, ये गलत टोनी है। यह ट्यूसान का—का—का टोनी है। उसका नाम क्या है? [कोई और कहता है, "स्ट्रोमी।"] स्ट्रोमी! मैं जानता हूं कि यह सलामेह, स्ट्रोमी, या कोई है। मैंने सब लिया...

12 एक दिन उसकी दुकान में, एक व्यक्ति आया, ध्यान आकर्षित करने वाला था, वह कुछ तो ऐसा कह रहा था जिसने मेरी एक याद को ताज़ा कर दिया, जब मैंने... पिछली बार जब मैं भारत में—में था।

13 जहां, मैं सोचता हूं कि प्रभु ने हमें एक समय में सबसे बड़ी भीड़ दी, जो बॉम्बे में थी। हमारे पास उन्हें रखने के लिए कहीं भी स्थान नहीं मिल पा रहा था, वहां लाखों और लाखों लोग थे।

14 और हमारे वहां पहुंचने से ठीक पहले, वहां एक अखबार का अनुवाद किया गया था। तो ठीक है, ऐसा था, भारत एक द्विभाषी देश है, यह—यह

अंग्रेजी अखबार था। और उसमें छपा था, "तो, भूकंप अवश्य ही समाप्त हो जायेगा, पक्षी वापस उनके घरों की ओर घोंसलों में उड़कर जा रहे हैं।"

15 भूकंप आने से कुछ दिन पहले, जिसने बाड़े और चीजों को नष्ट कर दिया। छोटे पक्षी अपने आप के लिए चट्टानों में आश्रय को ढूंढते है, और अपने घोसले को बनाते है; और दोपहर में या दोपहर के समय, जब सूर्य बहुत ही गर्म होता है, सभी जानवर उन चट्टान की दीवारों के पास खड़े होते हैं, ताकि छाया में रह सके। और दो दिनों तक, पक्षी पेड़ों पर से बाहर रहे, वे अपने घोंसलों में नहीं आए; और दो दिन, वे जानवर, भेड़ और गाय–बैल, वे दोपहर में यहाँ–वहाँ घूमते–फिरते नही थे, या ना ही उन दीवारों के पास रहते। वे—वे बाहर मैदान में ही बने रहे और छाया के लिए एक दूसरे के सामने खड़े रहते।

16 तब अचानक ही एक भूकंप आया, जिसने दीवारों को हिला दिया और इमारतों को नीचे गिरा दिया। और, देखो, यदि वे छोटे पक्षी वहां पर होते थे, तो वे नष्ट हो जाते। यदि गाय–बैल और भेड़े इसके नीचे खड़े होते थे, तो वे मर जाते। परमेश्वर प्रकृति से चेतावनी देता है!

17 कुछ दिनों पहले, भाई टोनी की दुकान में, मैं वहां एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुन रहा था जिसने कहा... जब अलास्का में इस भूकम्प ने जगह लिया, वह वहां मछली पकड़ रहा था, जिसे हम मेक्सिको में स्टोनी पॉइंट कहते हैं। और उसने कहा, "पक्षी नहीं खा रहे थे, और मछली नहीं खा रहे थे। वहां कुछ तो गड़बड़ थी। और, अचानक से, भूकम्प आ गया।"

18 और एक दिन, जब यह भारत में घटित हुआ, या वह जहां कहीं भी था, उसने कहा कि वह फिर से मछली पकड़ रहा था। उसने सोचा, "भाई, यह विचित्र बात है। वे मछलियां लगभग इसी समय पर खाना खाती है। पानी में कहीं भी कोई हलचल नहीं होती है। पानी बिल्कुल शांत होता है, मछली को खिलाने के लिए यही सही समय होता है, लेकिन उन्होंने नहीं खाया। और वे सभी पक्षी जो अक्सर वहां पर होते हैं, वे समुद्री पक्षी, इन मछलियों और चीजों को वहां से उठाते हैं, वे एक दूसरे से सटककर, सभी किनारे पर घूम रहे थे। कुछ ही क्षणों में, समुद्री काई एकदम नीचे से *इस* प्रकार से ऊपर आने लगती है, धरती के दूसरी ओर भूकम्प आया था।" देखो, वे मछलियां जान जाती है कि कुछ तो गड़बड़ है, कुछ तो घटित होने वाला है। वे पक्षी भी यही जानते है।

19 निश्चय ही, यदि परमेश्वर एक मछली और एक पक्षी को इस बात की परख देता है, तो उसे अपने—अपने बच्चों को कितना अधिक देना चाहिए! हम जानते हैं कि हम अंत समय में हैं, और न्याय रुका हुआ है, इसलिए आओ हम वास्तव में आदरपूर्ण बने। अपने पूरे ह्रदय से परमेश्वर की ओर दौड़ें! "हे कफरनहूम, तू जिसे स्वर्ग में ऊंचा उठाया गया है, उसे अधोलोक में नीचा किया जाएगा," और आज वह जल की तलहटी में पड़ा हुआ है। बस याद रखे, और प्रार्थना करे।

20 अब, आज रात, मैं यहां बाईबल में से कुछ क्षणों के लिए एक स्थान से पढ़ना चाहता हूं। हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। बिली ने कहा कि उसने ढेर सारे प्रार्थना कार्ड को बांटा है। और उसने कल कुछ कार्ड बांटे, और कल रात उनमें से मैंने प्रार्थना के लिए किसी को भी नहीं लिया। और मैं सोच रहा था, जब पवित्र आत्मा आया... यह बस... आप इसे अपनी ओर से चला नहीं सकते। यह तो एक छोटे लीवर के समान है, जिससे आप स्वयं को एक गति में ले आते हैं। आप ही वो एक है जो पवित्र आत्मा को क्रिया में लेकर आते है, मैं नहीं। आप इसे स्वयं करते हैं। इसलिए मैंने, कल रात, मैंने ध्यान दिया, यहां तक कि विचारों के परखने में भी, यह कभी भी लोगों से सही से नहीं जुड़ पाया। ऐसा प्रतीत हुआ कि वे इसे स्वीकार नहीं कर रहे थे। मैंने हाल ही में इसे पाया, ये ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे, कुछ हद तक, जब मैं बीमारों पर हाथ रखते हुए बोल ही रहा होता हूं, वे समझ जाते हैं।

21 हमें यह समझना चाहिए कि हमारे अंदर यह दिया गया है, हम जो यीशु मसीह का विश्वास करते हैं और उसकी आत्मा से जन्मे हैं और उस जिलाने वाली सामर्थ से भरे हुए हैं, वह सामर्थ जो आप में है। दूसरों पर हाथों को रखने के द्वारा, जैसे चेलो ने किया और युगों में से करते आ रहे है, इसने बीमारों को पूरी तरह से चंगा किया, मरे हुओं को जिलाया, इसने दर्शन, भविष्यवाणियों को दिखाया। और वही आत्मा जो आरंभिक प्रेरितों के बीच में रही थी, आज कलीसिया में रह रही है, ठीक उन्हीं चीजों पर काम कर रही हैं। और हम इसे जितनी जल्दी ही पहचान सकते हैं! देखो, कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना काम कर रहा है, आपको इसे पहचानना होगा और उस पर विश्वास करना होगा। यह जरा सा भी भला नहीं करेगा, जब तक आप इसे विश्वास नहीं करते है। लेकिन जिस क्षण आप इस पर विश्वास करते हैं, आपकी परेशानियां खत्म हो जाती हैं। यह

सच है।

22 अब आइये हम वचन की ओर जाए। कुछ क्षण पहले मैं वहां बैठा हुआ था, कुछ और वचनों को लिख कर रख रहा था, कि रात के लिए अपना मूल पाठ बदल दूं। और मैं परमेश्वर के वचन में से कुछ पढ़ना चाहता हूं, संत लूका की पुस्तक में से, 8वां अध्याय, 40वे पद से आरंभ करते हुए। अब सुनना, मैं विस्तार से पढ़ने जा रहा हूं।

जब यीशु लौट रहा था, तो लोगों ने उसे आनन्द के साथ ग्रहण किया, क्योंकि वे सब उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

क्या यह आज रात उपस्थित लोगों के लिए एक अच्छा दृष्टिकोण नहीं होगा?

और देखो, याईर नाम एक मनुष्य जो आराधनालय का सरदार था, वो आया: और यीशु के पांवों पर गिरके, और उससे विनंती करने लगा मेरे घर चल:

क्योंकि उसकी बारह वर्ष की एकलौती बेटी थी और वह मरने पर थी। जब वह जा रहा था, तब लोग उस पर गिरे पड़ते थे।

और एक स्त्री ने जिसको बारह वर्ष से लहू बहने का रोग था, जो अपनी सारी जीविका वैद्यों के पीछे व्यय कर चुकी थी, और फिर भी किसी के हाथ से चंगी न हो सकी थी,

पीछे से आकर, और उसके वस्त्र के छोर को छुआ: और तुरन्त ही उसका लहू बहना थम गया।

इस पर यीशु ने कहा, मुझे किसने छुआ? जब सब मुकरने लगे, तो पतरस और उसके साथियों ने कहा, हे स्वामी, तुझे तो भीड़ दबा रही है, और तुझ पर गिरती–पड़ती है, और कहता है, कि किस ने मुझे छुआ है?

... यीशु ने कहा, किसी ने तो मुझे छुआ है: *क्योंकि मैंने जान लिया है, कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है।*

और जब स्त्री ने देखा, कि वो छिप नहीं सकती, तब कांपती हुई आई, और उसके सामने गिर *पड़ी,* और *सब लोगों के सामने बताया, कि मैंने किस कारण से तुझे छुआ, और कैसे तुरन्त चंगी हो गई।*

और उसने उससे कहा, पुत्री, ढांढस बांध: तेरे विश्वास ने *तुझे चंगा किया* है; *कुशल से चली जा।*

और *जब वह... यह कह ही रहा था, तो वहां* किसी *एक ने आराधनालय के सरदार के यहां से* आकर, *उससे कहा, तेरी बेटी मर गई; गुरु को परेशान न कर।*

यीशु ने सुनकर, उसे उत्तर दिया, कहते हुए, मत डर: केवल विश्वास रख, तो वह चंगी हो जाएगी।

और जब वो घर में आया, तो उसने *किसी को अपने साथ भीतर आने न दिया, उसने पतरस,... याकूब और यूहन्ना और लड़की के पिता और माता को ही अंदर लिया।*

और सब उसके लिए रो,... पीट रहे थे: और *उस ने कहा, रोओं मत; वह मरी नहीं, परंतु* सो रही है।

और वे यह जानकर कि मर गई है उस पर हंसने लगे।

परन्तु *उसने सब को बाहर कर दिया, और उसने उसका हाथ पकड़ा, और* दासी को *पुकारकर कहा,* हे दासी *उठ।*

और तब उसकी आत्मा लौट आयी, और वह तुरन्त उठ कर *खड़ी हो गयी: और फिर उसने आज्ञा दी, कि उसे कुछ खाने को दिया जाए।*

और उसके माता–पिता चकित हुए: परन्तु उसने उन्हें चेतावनी दी कि यह जो हुआ है, किसी से न कहना।

23 अब आइए हम प्रार्थना करें। प्रिय स्वर्गीय पिता, जैसा कि हम इस वचन को पढ़ते हैं, तो हम जानते हैं कि यह सत्य है। ऐसा घटित हुआ। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं है जिसे हम हो सकता है किसी अखबार या किसी काल्पनिक किताब में पढ़ते हैं, लेकिन यह उस किताब से आया है जिसे हम जानते हैं कि यह परमेश्वर का वचन है। हम विश्वास करते हैं कि ऐसा हुआ था। हम विश्वास करते हैं कि यह यीशु ने इस उल्लेखनीय काम को किया, यहां पर दो उदाहरण है, लहू बहने वाली स्त्री के साथ, और मरे हुये बालक के साथ, हम विश्वास करते हैं कि वह परमेश्वर का पुत्र है, जिसे परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया और उसे आज रात पवित्र आत्मा के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत किया है।

24 और हम विश्वास करते हैं कि वह आज रात हमारे साथ है। और यह विश्वास करते हुए कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, उसकी करुणा लोगों तक पहुंचती है। और जैसे–जैसे लोग उस तक पहुंचते है, वैसे–वैसे वही परिणाम मिलते है जो उस दिन में दिए गए यह आज के दिन दिए जाएंगे। इसे फिर से प्रदान करें, पिता, ताकि हमें एक ताजा अभिषेक प्राप्त हो सके। जैसा कि भाई शेकरियन ने कुछ समय पहले बहुत ही ईमानदारी से पूछा था, और श्रोतागण से विश्वास करने को कहा था, हम फिर से यीशु मसीह के नाम में मांग रहे हैं। आमीन।

25 मैं बस कुछ क्षणों के लिए बोलना चाहता हूं, और यह बस कुछ समय के लिए ही होगा, क्योंकि मैं उन लोगों को प्रार्थना कार्ड के साथ यहां पर लाना चाहता हूं और उनके लिए प्रार्थना करना चाहता हूं। और किसी भी अन्य बात को छोड़ते हुए केवल बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे। लेकिन इससे पहले कि हम बीमारों के लिए प्रार्थना करें, पहले हमें लोगों को इस दृष्टिकोण में लाना होगा। यही वो दृष्टिकोण है जो हमेशा ही परिणाम को लाता है। यह वही दृष्टिकोण है जिसे आप परमेश्वर के प्रति रखते हैं।

26 यहां एक स्त्री ने उसके वस्त्र को छुआ, वह चंगी हो गई, लहू के रोग से। एक सिपाही ने उसके मुंह पर थूका और उसके सिर पर कांटों का ताज रखा, और किसी सद्गुण को महसूस नहीं किया।

27 यह तो आपका दृष्टिकोण है। दृष्टिकोण ही वह बात है जो इसके लिए जरूरी है। और आज रात यही बात है, प्रिय मित्र, इसके लिए दृष्टिकोण जरुरी है। हम जरूरी हैं, और विश्वास करते हैं कि हम यीशु मसीह की उपस्थिति में हैं, लेकिन यह आपका दृष्टिकोण है जो परिणाम को लाता है। यांत्रिकी यहाँ पर है, और वैसे ही गतिकी भी यहाँ है। यदि आप बस आरंभ कर सकते हैं, तो बाकी का सब परमेश्वर करेगा।

28 अब, जिस विषय पर मैं कुछ क्षणों के लिए बोलना चाहता हूं, वह है: *अपने वचन को साबित करता है।* अब यह एक महान बात है, इस बारे में सोचना: *अपने वचन को साबित करता है।*

29 अब परमेश्वर बस आज रात अपने वचन को साबित करने में उतना ही सक्षम है, जितना उसने हमेशा ही इसे साबित किया है। और बाईबल ने भी कहा, "सारी बातों को साबित करो। जो अच्छा है उसे पकड़े रहो।"

30 अब कोई संदेह नहीं, आपने पुरानी कहावत को सुना होगा, "इसे

साबित करो, मैं इसका विश्वास करूंगा।” लेकिन यह सच नहीं है। बहुत सी बार मैंने बहुत सी बातों को साबित होते देखा है, जो कि पूरी तरह से वैज्ञानिक रूप से भी साबित हुई थी, और फिर भी लोगों ने किसी भी तरह से इस पर विश्वास नहीं किया।

31 कुछ समय पहले, मैं यहां एक व्यक्ति के साथ बात कर रहा था। हम दिव्य चंगाई के बारे में बात कर रहे थे। उसने कहा, “मैं इसका विश्वास नहीं करूंगा। मैं परवाह नहीं करता कि क्या होगा, आप इसका कितना भी साबित करके दिखा सकते हैं, मैं फिर भी इसका विश्वास नहीं करता।” तो, निश्चित रूप से, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप उस व्यक्ति के लिए क्या भी करें, वह—वह नष्ट हो गया है। वह विश्वास नहीं कर सकता। उसके अंदर विश्वास करने के लिए कुछ भी नहीं है।

32 मुझे अभी लगभग एक सप्ताह पहले यहां एक—एक छोटा सा अनुभव मिला, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मैं—मैं शिकार करता हूं। और जब मैं अपनी सभा से वापस आया, तो मैं शेर का शिकार कर रहा था। और जब मैं एरीजोना में आया, तो यह अच्छा होता है, मैं बड़े शिकार करना पसंद करता हूं, और मैं प्रकृति के बीच वहां जाकर और उसे देखना पसंद करता हूं।

33 अब, मैं कोई हत्यारा नहीं हूं। मैं तो बस शिकार करता हूं। इसलिए, मैं—मैं शिकार को नष्ट करना पसंद नहीं करता, मैं—मैं नहीं सोचता कि यह सही है। मैं सोचता हूं कि यह उतना ही पाप है, जितना कि शिकार को मारना, जब आप इसका उपयोग नहीं कर रहे हैं और ना ही इसे एक उद्देश्य के लिए उपयोग करने जा रहे हैं, ऐसा करना किसी भी चीज को मारने जैसा होगा। मैं विश्वास करता हूं कि यह गलत है। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। परमेश्वर ने इसे हमें भोजन और अन्य उद्देश्यों के लिए दिया है, और हमें इसे नष्ट नहीं करना चाहिए। लेकिन अब व्यवस्था जो कहती है आप ले सकते हो, ये ठीक है। बस इसे बर्बाद मत करे।

34 और मैं वहां नीचे था, बाकी सब चीज़ों का मौसम खत्म हो चुका था। शेर बहुत से पशुओं को मारता हैं। और मैं देश में बहुत से पशुपालकों को जानता हूं। और हर बार उन्हें एक मरा हुआ मिलता है, इसलिए, वे मुझे बुलाते हैं, जब एक शेर भेड़ों के बीच में घुस जाता है। मेरे किसी मित्र ने उस रात, लगभग पैंतीस सौ डॉलर एक ही रात में गंवा दिए, एक शेर के द्वारा

केवल मेमनो को मारने पर। वह अंदर घुस गया, और निश्चित रूप से, बाकी शेरों को उसके पाप की कीमत चुकानी पड़ेगी। और फिर मैंने उस शेर को मार गिराया, और वह बहुत बड़ा शेर था, नौ फीट लंबा था, और उसका वज़न करीब दो–सौ कुछ था, सो यह—यह एक अच्छा बड़ा शेर था।

35 और फिर मैं शिकार करने के लिए एरीजोना देश से यूटा चला गया। और फिर मुझे यह बताया गया ऊपर कुछ लोग थे, और जिस व्यक्ति के साथ मैं शिकार करने वाला था, वह सरकार की ओर से जानवर को फंसाने का काम करता है, "और, तुम्हारी भलाई के लिए कहूंगा, उसके आस–पास भी धर्म के विषय में कुछ भी बात न करना।" कहा, "वह एक बहुत ही कठोर व्यक्ति है।"

और मैंने कहा, ठीक है, मैंने उस व्यक्ति से कहा, जिसके साथ मैं जा रहा था, मैंने कहा, "मैं इसका उल्लेख नहीं करूंगा।"

36 उसने कहा, "'प्रचारक' मत कहना। यदि आप कहते हैं, तो आप कभी भी शिकार पर नहीं जा पाएंगे। वह आपको नहीं ले जाएगा।" कहा, "मैंने उसके साथ तीन दिन तक शिकार किया, और हर रात उसके साथ सोया, हर दिन उसके साथ खाना खाया, और उसने कभी यह भी नहीं कहा, 'सुप्रभात। आप कैसे हो? आप कुछ खाना चाहते हो? बर्तन धोए।' कुछ भी नहीं!" कहा, "अब बस इसके बारे में कुछ मत कहना।"

मैंने कहा, "मैं एक शब्द भी नहीं कहूंगा।" इसलिए मैंने उससे यह नहीं कहा कि मैं प्रार्थना नहीं करूंगा, लेकिन मैं बस उसे बताता रहा कि मैं... और मैं प्रार्थना करता हूं।

37 इसलिए जब हम वहां पर पहुंचे, तो वह व्यक्ति बहुत ही कठोर स्वभाव का था, और मैंने नहीं सोचा कि वह किसी चीज का विश्वास करता होगा। और अभी कुछ रात पहले ही उसने एक बच्चे को खोया था, जो एक मृत जन्मा बालक था। सो, हम शिकार पर गए। और अगले दिन पर, जिस व्यक्ति के साथ मैं शिकार कर रहा था, उसने उसे बताया, कहा कि मैं सारे देश भर में किसी भी जगह शिकार कर सकता हूं। तो जब दूसरा शिकारी, जो मेरे साथ था, वो चला गया, हम बहुत ऊपर पहाड़ी की चोटी पर थे; वहाँ हमने एक शेर का पीछा किया, यहाँ तक कि उसे चट्टानों के बीच घेर लिया, और वह भाग कर निकल गया। और फिर हम वहीं बैठे हुए थे कुत्ते के वापस लौटने का इंतज़ार कर रहे थे। और इस व्यक्ति ने मुझसे कहा,

उसने कहा, “दूसरा शिकारी, आपका मित्र, मुझे बता रहा था कि आपको हर जगह शिकार करना है। आपके पास बहुत सारा पैसा है? ” कहा, “मुझे लगता है कि ये पूछना मेरा काम नही है।”

और मैंने कहा, “नहीं,” मैंने कहा, “बहुत सारा पैसा नहीं है।” मैंने कहा, “मुझे—मुझे प्रायोजित किया गया है।”

और उसने कहा, “ओह, मैं समझा।” उसने कहा, “ठीक है, मुझे लगता है कि यह फिर से पूछना मेरा कोई काम नहीं है, लेकिन,” कहा, “क्या आप एक फर्म के साथ काम करते हैं जो आपको प्रायोजित करती है? ”

वह इसे ठीक मेरे अंदर से बाहर निकाल रहा था। मैंने वादा किया था, मैं इस पर बात नहीं करूंगा, देखो। इसलिए मैंने कहा, जी हां, मैंने कहा, “नहीं, श्रीमान। मैं एक प्रचारक हूं, एक मिशनरी हूं।”

उसने कहा, “क्या? ”

मैंने कहा, “मिशनरी।” और वह बस कुछ मिनटों के लिए खड़ा होकर मेरी ओर देख रहा था।

मैंने कहा, “क्या आपके पास इसके बाद के जीवन के लिए कोई आशा है? आपकी आशा क्या है? ”

उसने कहा, “मैं एक जैक मॉर्मन हूं।”

और मैंने कहा, “एक क्या है? ”

उसने कहा, “एक जैक मॉर्मन।”

मैंने कहा, “यह किस प्रकार का होता है? ”

कहा, “वह जो गालियां देता है और कॉफी पीता है, और सिगरेट पीता है।”

मैंने कहा, “ये अच्छा है, एक ईमानदारी से किया गया अंगीकार प्राण के लिए अच्छा होता है।”

38 और फिर उसने कहा—उसने कहा, “मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं।” उसने कहा, “मुझे बताया गया है कि केवल मॉरमन कलीसिया ही वहां एक सच्ची कलीसिया है।” उसने कहा, “क्या आप इस बात पर विश्वास करते हैं? ”

39 मैंने कहा, “जब यह कलीसिया की बात आती है, तो मुझे लगता है कि यह उनमें से किसी भी कलीसिया के जैसी ही अच्छी है। मैं केवल एक सत्य को जानता हूं, और वह है यीशु मसीह।” मैंने कहा, “मैं जानता हूं कि वो सत्य है।”

40 “तो ठीक है,” उसने कहा, “उस रात मेरा एक बच्चा जन्मा था, वो मृत जन्मा था।” उसने कहा, “मुझे बताया गया है कि यह बच्चा, क्योंकि यह मृत जन्मा था, परमेश्वर ने इसमें कभी जीवन की सांस को नहीं फूंका, कि मैं इसे फिर कभी नहीं देख पाऊंगा।” उसने कहा, “आप इस विषय में क्या सोचते हैं?”

41 “तो ठीक है,” मैंने कहा, “आप जैक मॉर्म के समान नहीं करेंगे, निश्चित रूप में आप ऐसा नहीं करेंगे। यह एक बात तो निश्चित है, जब तक आप जैक मॉर्मन बने रहेंगे, तब तक आप इसे नहीं देख पाएंगे।” और उसने कहा... तो ठीक है, वो मुझे पलटकर उत्तर दे रहा था, इसलिए मैंने वापस उसे थोड़ा पलटकर उत्तर दिया, आप देखिए। हमारे पास—पास वापस उत्तर देने का समय था। सी उसने कहा—उसने कहा... मैंने कहा, “क्या बात है?”

उसने कहा, “ओह, मैं नहीं जानता।” और उसने कहा, “अच्छा, आप क्या सोचते है?”

मैंने कहा, “मैं बहुत सारे भले लोगों से परिचित हूं... ”

42 मैं नहीं जानता था कि वो एक मॉर्मन है। और मैं एक बहुत ही... मैं जानता था, यह यूटा में होने के कारण, यह शायद ऐसा ही था, लेकिन मैं... क्योंकि वहां साल्ट लेक सिटी के आसपास के ज्यादातर लोग मॉर्मन हैं। हालांकि, यह साल्ट लेक सिटी नहीं था। इसलिए मैंने सोचा, “तो ठीक है, मेरे कुछ अच्छे मॉर्मन मित्र थे, जो प्रार्थना की पंक्तियों में आये है, वे अच्छे लोग है।”

43 और मैंने कहा, “मैं कुछ बहुत ही अच्छे लोगों से मिला हूं जो मॉर्मन हैं—है।” और उसने कहा, तो, उसने कहा... मैंने कहा, “मैं इस विषय पर उनकी शिक्षा को नहीं जानता, और ना ही मैं उनकी शिक्षा के विपरीत कुछ कहना चाहूंगा, क्योंकि आप वहीं हैं, और मैं इसका बहुत सम्मान करता हूं।” और मैंने कहा, “खैर, और आप इसका विश्वास करते हैं?”

उसने कहा, “हां, श्रीमान, मैं करता हूं। लेकिन,” कहा, “मैं उसके अनुसार नहीं जीता।”

44 मैंने कहा, “ठीक है, मैं विश्वास करता हूं कि बाईबल सिखाती है कि परमेश्वर उस बच्चे को जानता था, लाखों वर्ष पहले, दुनिया की नींव डालने से पहले।” मैंने कहा, “परमेश्वर ने यिर्मयाह को बताया, ‘इससे पहले कि तू कभी अपनी मां के गर्भ में आता, इससे पहले कि तू कभी गर्भ से जन्म लेता मैं तुम्हें जानता था, तुम्हें पवित्र किया, और तुम्हें राष्ट्रों के लिए एक भविष्यव्यक्ता ठहराया।’” मैंने कहा, “इसी तरह से वो इसके बारे में जानता था, देखा।”

उसने कहा, “ठीक है,” उसने कहा, “धन्यवाद।”

45 वह पहाड़ी से नीचे की ओर चलने लगा। और फिर वह इस दूसरे व्यक्ति से मिला, और उसने कहा, “तुमने मुझे क्यों नहीं बताया कि वो व्यक्ति एक प्रचारक है?” और इसलिए हम... उसने उससे थोड़ी बातचीत की और उसे सभाओं के बारे में बताना शुरू किया।

46 अब, मॉर्मन भविष्यवाणी पर विश्वास करते हैं। मैं नहीं... शायद यहां कोई नहीं होगा, लेकिन वे—लेकिन वे भविष्यवाणी में—में विश्वास करते हैं। लेकिन, तो, हो सकता है मैं शिक्षा से बाहर की बात कर रहा हूं, लेकिन मैं... जी हां। जी हां। लेकिन, जो भी हो, वे विश्वास करते हैं।

और उसने कहा, वह मेरे पास वापस आया, कहा, “मैं समझता हूं कि आप एक भविष्यव्यक्ता है।”

मैंने कहा, “नहीं, श्रीमान।” मैंने कहा, “मैं... प्रभु ने मुझे कुछ बातें घटित होने के लिए बताई हैं।”

47 और वह तुरंत ही वहां से चला गया, कहा, “आओ हम चले।” और वह अपनी कार में बैठ गया, और अपने छोटे से शहर में चला गया... जहां वह रहता था। कुछ ही क्षणों में, वह गायब हो गया। हम दोपहर के भोजन के तुरंत बाद एक और शिकार पर जाने के लिए कुत्तों को तैयार कर रहे थे। और जब हम तैयार हुए, वह कार को लेकर चला गया।

48 कुछ ही क्षणों में, एक सुन्दर से युवक के साथ वापस आया, जो लगभग सत्रह वर्ष का था, एक सच्चा संत सा दिखने वाला मसीही सज्जन व्यक्ति। उसने कहा, “यह मेरा भाई है।” कहा, “वह जैक मॉर्मन नहीं है। वह एक असली मॉर्मन है।”

मैंने कहा, “पुत्र, तुम कैसे हो?”

और उसने कहा, “मैं समझता हूं, कि मेरा भाई मुझे बता रहा था, कि आप एक भविष्यव्यक्ता है।”

मैंने कहा, “नहीं, श्रीमान।” मैंने कहा, “ऐसा नहीं है कि मैं एक भविष्यव्यक्ता हूं।” मैंने कहा, “प्रभु मुझे घटित होने वाली बातों को दिखाता है।”

49 उसने कहा, “मेरे हाथ में ठीक अभी गोली लगी है, मुझे ऑपरेशन की मेज पर होना चाहिए।” उसने कहा, “लेकिन मेरे भाई ने मुझे यह बताया। और मैंने कहा, ‘यदि ऐसा है, तो मुझे ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं है।’” उसने मेरे आंख में सीधे देखा, एक ईमानदार, सच्चाई, गंभीर दृष्टि से, कहा, “आप अपने हाथ मुझ पर रख दीजिए। यदि ये चीजें ऐसी हैं, तो मुझे ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं होगी।” वह ठीक होकर घर चला गया।

50 यह भाई, मेरा मसीही मित्र, फिनिक्स से, मेरे साथ शिकार पर था। उसने मुझसे कहा, उसने कहा... उनमें से कुछ लड़के ठीक अभी यहीं पर बैठे हैं। उनमें से एक को मैं जानता हूं कि यहां उपस्थित है। हम घर चले गए। उसने कहा, “भाई ब्रंहम, यदि प्रभु आपको दर्शन को दिखाता है, और आप उन मॉर्मन को बताये कि अब आगे क्या होने जा रहा है, तो इससे बात बन जाएगी, क्योंकि वे उसी बात के लिए देख रहे हैं।”

51 इसलिए, मैंने प्रार्थना की और मैंने प्रार्थना की। और वापस अपने घर की ओर रास्ते पर था, आने वाले सोमवार, रविवार को लगभग दस बजे, मैं उस सुबह कलीसिया की सभा के बाद कमरे में खड़ा हुआ था, और बाहर की ओर देख रहा था।

52 और मैंने देखा कि प्रकाश चमक रहा था, या किसी प्रकार की एक रोशनी चमक रही थी। और मैंने एक सिंह को देखा जो एक पेड़ पर था, और—और यह मेरे लिए बहुत ही छोटा था कि मैं उस पर गोली चलाऊं। मैं ऐसा नहीं चाहता था। और वहां किसी और ने इसे गोली मारी थी, और, जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने इसे बहुत बड़ी बंदूक से गोली मारी थी। इसने उस सिंह को उड़ा दिया था। मैं इसकी सराहना नहीं करता जिस तरह से इसे—इसे—इसे किया गया था।

53 जब मैं फीनिक्स पहुंचा, मैंने भाई डॉसन को और भाई मोस्ली को यह बताया। मैं जानता हूं कि वो यहीं पर है। मैंने उसे उस दिन यहाँ कहीं तो

देखा था। और वह मेरे साथ ऊपर जा रहा था, वो और उसकी पत्नी। और मैंने कहा, "तुम देखते रहना और देखना, यह **यहोवा यों कहता है**। यह इसी तरह से होने जा रहा है।"

54 हमने चार या पांच रातों तक प्रतीक्षा की, या कुछ दिन तक, हमने शिकार किया। बहुत कम ऐसा होता है कि रात में शेर पेड़ पर चढ़ जाए। ऐसा हुआ कि जब वापस घर लौट रहे थे, तो इस शिकारी ने, इस मॉर्मन लड़के ने, कुत्तों को छोड़ दिया। और उस––उस शेर ने निशान पकड़ लिए, या मेरा मतलब कि कुत्ते ने शेर के निशान पकड़ लिए और उसका पीछा करते–करते उसे पेड़ पर चढ़ा दिया। और रात के दस बजे वे आए और हमें बिस्तर से उठा लिया। हम वहाँ बाहर गए, और वही शेर पेड़ पर बैठा था। रोशनी को चमकाते हुए, भाई मोस्ली ने उस पर लगभग एक .44 कैलिबर की बंदूक से गोली चलायी, जिससे ऐसा लगा मानो शेर के दो टुकड़े हो गए हों। और यह वहां था, बिल्कुल वैसे ही जैसे इसे कहा गया था।

अगले दिन, मैं राज्य के मुख्य शिकार के संचालक से मिला, जो एक और जैक मॉर्मन था। उन लड़कों को एक साथ लेकर, उनकी मसीह के पास वापस घर की ओर अगुवाई की।

मैं आपको बताता हूं, वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। परमेश्वर अपने वचन को ऐसा होने के लिए साबित करता है।

आपने लोगों को कहते सुना होगा, "देखकर ही विश्वास किया जा सकता है।" यह पूरी तरह से सच नहीं है। बहुत से लोग देखते हैं और वे फिर भी विश्वास नहीं करते है।

55 उन दिनों में जब यीशु धरती पर था, उन्होंने उसे क्यों नहीं पहचाना, कि वह परमेश्वर का वचन था जो प्रगट हुआ? लोगों को यह क्यों अहसास नहीं हुआ कि मूसा ने कहा, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर यहोवा मेरे समान एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करेगा"? और उसने बाईबल में बोले गए हर एक वचन को पूरा किया कि वह ऐसा करेगा, लेकिन उन्होंने इस पर विश्वास नहीं किया।

56 लेकिन परमेश्वर ने, हर युग में, अपने वचन को सत्य साबित किया है। वह हमेशा ही अपने वचन को साबित करता है। फिर वे कभी–कभी कहते हैं, कि, "देखकर ही विश्वास कर सकते है।" यह ऐसा नहीं है। लेकिन हम जानते हैं कि परमेश्वर हर युग में अपने वचन को साबित करता है।

57 हम जानते हैं कि उसने आदम और हव्वा के लिए इसे साबित किया, कि जब उसने कहा, "जिस दिन तुम उसमें से खाओगे, उस दिन तुम निश्चय ही मर जाओगे।" हमें यह स्वीकार करना होगा, कि यह सत्य है। हम यह विश्वास करते हैं, क्योंकि उसने इसे हमारे लिए साबित किया है, और हम जानते हैं कि यह सत्य है।

58 अब हम कुछ स्थानों से लेंगे जहां परमेश्वर ने अपने वचन को साबित किया। उदाहरण के लिए, आइए नूह के—के दिनों में देखे। परमेश्वर ने नूह को एक संदेश दिया जो निश्चित रूप से अवैज्ञानिक और अविश्वासनीय था। कोई भी विश्वास नहीं कर सकता था। धरती पर कभी बारिश नहीं हुई थी। अवैज्ञानिक!

59 हो सकता है कि वे तब आज की तुलना में एक सबसे बड़े वैज्ञानिक युग में थे, क्योंकि उन्होंने पिरामिड और पत्थर की ऐसी कल्पित मूर्तियों और इत्यादि को बनाया, उन दिनों में, जिसे अब हम नहीं बना सकते हैं। वे एक शक्ति से परिचित थे, किसी प्रकार की यांत्रिक शक्ति से, शायद परमाणु या कुछ तो और, कि वे उन बड़े–बड़े शिलाखंडों को उठा सके, जिसे आज हम नहीं कर सकते। लेकिन उन्होंने बड़ी वैज्ञानिक चीजों को किया। उनके पास कुछ तो था जिससे वे एक शरीर को लेप लगा सकते थे, ताकि इसे सैकड़ों वर्षों तक दिखने में स्वाभाविक बनाये रखे। हमने उस कला को खो दिया है।

60 यीशु ने कहा, "जैसा नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" और हम जानते हैं कि हमें एक और बड़े वैज्ञानिक युग में प्रवेश करना है।

61 और अब जो संदेश नूह के पास था, कलीसिया में उस दिन के विश्वास के बिल्कुल विपरीत था, और यह वैज्ञानिक अनुसंधान के भी बिल्कुल विपरीत था। लेकिन परमेश्वर ने साबित किया कि उसका वचन सत्य है। परमेश्वर ने साबित किया कि उस भविष्यव्यक्ता ने जो कहा वह सत्य था।

62 साथ ही हम कुछ समय के लिए दूसरे को लेंगे। अब्राहम प्रभु का एक और भविष्यव्यक्ता था, जिसके पास वचन पहुंचा। और उसे बताया, जब वह पचहत्तर वर्ष का था, और सारा पैंसठ वर्ष की थी, कि साराह से उसे एक बालक होने जा रहा है। अब, यह एक अविश्वासी के लिए बड़ा झटका है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं, आज, इस दिन में भी ऐसी कोई घटना

हो सकती है, हमारी सभी वैज्ञानिक उपलब्धियों के साथ, और इन सारे जाँच की नली या टेस्ट–ट्यूब के द्वारा बच्चों के विषय में वे बात करते हैं, और इत्यादि? लेकिन यह बूढ़ी महिला, जो अब पैंसठ वर्ष की है, और एक बूढा पुरुष जो पचहत्तर वर्ष का है, लेकिन प्रभु का वचन अब्राहम के पास आया और उसे बताया कि ऐसा ही होने जा रहा है। और अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया। अब, कोई फर्क नहीं पड़ता कि परमेश्वर कितना भी बोले, और यह कितना भी सच्चा हो, अब्राहम को विश्वास करना ही था जो परमेश्वर ने कहा, ताकि इसे वैसा ही बनाये। अब देखिए कैसे उस व्यक्ति की गवाही के साथ परीक्षा हुई, जो उसने विश्वास किया।

63 वही व्यक्ति जिसने यह स्वीकार किया था, कि उसने परमेश्वर पर विश्वास किया, वह आपके जैसा व्यक्ति है, आज रात यहां बैठा हुआ है। हम अब भी परमेश्वर पर विश्वास करते हैं। हमें यह विश्वास करना होगा कि उसका वचन सत्य है। और वह इसे साबित कर देगा, कि यह सत्य है, यदि हम बस इसका विश्वास करे।

64 अब उस रुकावट को देखें जो अब्राहम के पास थी। पहली बात तो यह थी कि उसकी उम्र पचहत्तर वर्ष थी, और साराह पैंसठ वर्ष की थी। वह जीवन के बदलाव को पार कर चुकी थी, रजोनिवृति। कोई संदेह नहीं, लेकिन यह तो कई वर्षो पहले ही रुक गया था। वो उसके साथ रहा एक पत्नी की नाई। वह उसकी सौतेली बहन थी, शायद उसने उसे तब विवाह किया था जब वह किशोरावस्था में एक लड़की ही थी, और उससे विवाह कर लिया था। और उसकी कोई संतान नहीं थी। वह पूरी तरह से बांझ थी। और अब हम पाते हैं कि ऐसा करने के लिए, उसे खुद को उन सभी लोगों से अलग करना था, जिन्होंने इसे विश्वास नहीं किया, जिससे कि यह बात पूरी हो सके।

65 मेरा कहने का मतलब यह नहीं है कि आपको खुद को लोगों से अलग करना होगा। लेकिन आपको खुद को अविश्वास की सारी व्यर्थ बातों से अलग करना होगा, और उससे दूर रहना होगा। जब लोग कहते हैं, “आह, ऐसी चीजें नहीं होती हैं! यह एक पागलों का झुंड है! ऐसी कोई चीज नहीं है कि ऐसा हो रहा है,” बस अपने कान बंद कर लों और वहां से चले जाओ। इस पर कोई ध्यान मत दो।

66 बाईबल ने कहा कि “अब्राहम अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की

प्रतिज्ञा पर नहीं डगमगाया; लेकिन वह मजबूत होता गया, परमेश्वर की स्तुति कर रहा था।" उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया गया, नाम के बदलने पर उसका नाम "राष्ट्रों का पिता" बन गया। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ रह रहा है, उसकी ह्रदय प्रिय, कि वह जिसके साथ अब इतने वर्षों से रह रहा था, और अब वह लगभग अस्सी वर्ष का हो चुका है, और उसकी पत्नी सत्तर वर्ष की हो चुकी है, और फिर भी बिना किसी संतान के है या संतान की कोई आशा नहीं है, फिर भी ये दावा किया कि वह "राष्ट्र का पिता" है। क्या आप उस आलोचना की कल्पना कर सकते हैं जो वहां से गुजरते हुए उसके साथी कह रहे होंगे, "राष्ट्रों के पिता, अब इस समय आपके कितने बच्चे है? " और काफी आलोचनाओं से उसे गुजरना पड़ा था!

67 लेकिन अब्राहम अविश्वास से बिल्कुल कहीं भी नहीं डगमगाया। उसका विश्वास किया कि परमेश्वर जो उसने प्रतिज्ञा की थी उसे पूरा करने में सक्षम है, कि परमेश्वर अपने वचन को साबित करेगा, कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसमें कितना समय लगे। लेकिन हर बार बजाये कमजोर होने के, जैसे कि हम अक्सर होते हैं, वह हर समय मजबूत होता गया। "यदि यह आज नहीं हुआ, तो कल यह एक बहुत बड़ा चमत्कार होगा, क्योंकि यह एक दिन उम्र और बढ़ गयी है।" वह परमेश्वर था, यह अब्राहम में परमेश्वर था, क्योंकि वह जानता था कि परमेश्वर ने अपने सभी वचनों को ऐसा ही साबित किया है।

यदि उसके बच्चे केवल उसके वचन को लेंगे, तो वह इसे आपके द्वारा साबित कर सकता है! केवल यही वो जरिया है वो अपने वचन को साबित कर सकता है।

वह इसे अविश्वासियों के लिए साबित नहीं करता है। उन्हें साबित नहीं किया जा सकता है; वे अविश्वासी हैं। लेकिन, यह अविश्वासियों के लिए नहीं है। यह अविश्वासियों के लिए नहीं है।

68 यह उसके लिए है जो विश्वास करता है। और यदि उसे कोई ऐसा मिल जाए जो उसके वचन का विश्वास करे, तो वह आपके द्वारा अपने वचन को साबित करेगा। और कभी–कभी बीमारी और चीजें हमारे साथ इस तरह से घटित होती है, कि परमेश्वर स्वयं को साबित कर सकता है।

क्या आपको वह अंधा व्यक्ति याद है जो यीशु को मिला था? उन्होंने

कहा, “किसने पाप किया, उसने या उसके पिता ने, उसकी मां ने? ”

69 उसने कहा, “इस मामले में, किसी ने नही, लेकिन जिससे परमेश्वर के कामों को प्रगट किया जा सकें।” देखो, यह उस लड़के के साथ ऐसा इसलिए हुआ जिससे यीशु की महिमा हो सके। कभी–कभी बीमारी अभिशाप नहीं होती, यह एक आशीष होती है, कि हम अपने विश्वास को वहां पर बनाए रखें और उन चीजों को जो नहीं हैं उसे ऐसा कहें, मानो वे है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है, और वह इसे साबित करेगा कि ऐसा ही है यदि आप परीक्षा में कमजोर न पड़े।

70 वो एक समय अय्यूब को यह साबित कर सकता था, कि वह उसके मुंह पर उसे शाप नहीं देगा। उस परीक्षा की ओर देखें जिसमें से होकर अय्यूब गुजरा। लेकिन मौत के मुँह में जाते हुए भी, उसने फिर भी कहा, “प्रभु ने दिया, प्रभु ने ले लिया, प्रभु का नाम धन्य हो!” उसने निश्चय ही इसका विश्वास किया। परमेश्वर ने अय्यूब पर अपना वचन साबित किया। उसने अब्राहम के लिए इसे साबित किया। उसने इसे ऐसा ही साबित किया।

71 साथ ही इसे मूसा के द्वारा उसने साबित किया। और जब मूसा के सामने कठिनाई इतनी अधिक थी, तब मूसा के मन में यह था कि शायद छुड़ाने वाला बनने के लिए, जो कि उसकी मां ने शायद उसे बताया था कि वह एक उचित बालक के रूप में जन्मा था। वह—वह उसकी निजी–शिक्षिका थी जिसने उसे फिरौन के महल में पाला–पोसा था, इसमें कोई संदेह नहीं कि उसे बताया था, “पुत्र, हमने प्रार्थना की है कि हमें छुड़ाया जाएगा, और हम विश्वास करते हैं कि तुम ही वो बालक हो जिसे परमेश्वर छुड़ाने के लिए उपयोग करेगा।” और फिर जब वह...

72 देखो, वह बड़ा हुआ और उसे—उसे फिरौन की पुत्री का पुत्र होना था, और हम पाते हैं कि वो सिंहासन का उत्तरधिकारी बनने वाला था। क्यों, इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके मन में था, कि वह अगला फिरौन बनेगा, “और इसी तरह से वह लोगों को छुड़ाएगा, अगला फिरौन होने के द्वारा।” लेकिन परमेश्वर के पास एक... यदि ऐसा होता तो, तो वह इसे किसी भौतिक साधन के जरिये से करता, एक—एक—एक राजनीति के कार्य के जरिये से करता। लेकिन परमेश्वर हमेशा ही इस तरह से काम नहीं करता है।

73 परमेश्वर के पास काम करने के अपने तरीके होते हैं, और उसने कहा

कि वह "उन्हें बाहर लेकर आयेगा।" उसने अब्राहम से कहा, "चार सौ वर्षों के बाद," वह "उन्हें सामर्थी हाथ से बाहर निकालेगा," वह "चिन्ह और अद्भुत कार्यो को दिखाएगा।" इसलिए वह इस तरह से नहीं कर सका, इसलिए अब्रा... हम पाते हैं कि अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और अब यहां मूसा परमेश्वर पर विश्वास कर रहा है।

74 और मूसा ने उसी खिड़की से बाहर की ओर देखा, जिस खिड़की से फिरौन ने देखा था, उसने उन्हीं लोगों को देखा। उस फिरौन ने उन्हें इस नजरिए से देखा, जैसे, "एक शापित लोग है, एक ऐसे लोग जिनके पास एक परमेश्वर के लिए कट्टरता के सिवाय और कुछ भी नहीं है, और कोई तो रेगिस्तान का परमेश्वर कहीं तो है जिसके विषय में उन्हें कुछ भी पता नहीं है; एक अदृश्य स्तंभ जिससे वे प्रार्थना करते हैं, जिसमें कोई सच्चाई नहीं थी। वे कट्टरपंथियों का झुंड हैं। और वे गुलामों का एक झुंड था। और उनके परमेश्वर ने उन्हें गुलाम होने दिया, साबित कर दिया कि वह परमेश्वर नहीं है।"

75 और ठीक पूरी घटना के बीच में, वह उसी मनुष्य को पाल–पोस कर बड़ा कर रहा था। परमेश्वर ऐसे अजीबोगरीब तरीके से उन चीजों को करता है, ठीक उन्हीं के नीचे। ना ही कोई धर्मज्ञानी, ना ही कोई शिक्षक, ना ही कोई याजक, ना ही उनके पवित्र लोगों में से कोई एक; लेकिन बस एक साधारण सा व्यक्ति, जो इस काम के लिए जन्मा। और परमेश्वर ने उसे अपना भविष्यव्यक्ता होने के लिए बुलाया, और उसे वहां नीचे भेजा। और उसके हाथ में एक टेढ़ी–मेढ़ी छड़ी के अलावा कुछ भी नहीं था, एक ऐसी सेना का सामना करने के लिए, मशीनीकृत इकाइयाँ जिसने सारे संसार को जीत लिया था। लेकिन उसके हाथ में उस छड़ी के साथ, जैसा कि परमेश्वर ने उससे कहा था कि उस छड़ी को अपने हाथ में थामे रखना और वो इस्राएल को छुड़ा लेगा, और उसने नीचे वहां जाकर और इसे किया क्योंकि परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की थी। वह इसे कैसे करने जा रहा है? "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।"

उसने कहा, "प्रभु, मुझे अपनी महिमा दिखा। मैं बोलने में धीमा हूं। मैं ठीक से बात नहीं कर सकता। और मैं... " उसके पास लाखो बहाने थे।

76 लेकिन उसने कहा, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।" और बस इतना ही काफी था। वह परमेश्वर के वचन को लेकर चला गया। कोई फर्क नहीं पड़ता कि

कर्तव्य कितना भी खतरनाक दिखाई दिया, मूसा ने परमेश्वर पर विश्वास करना जारी रखा। और परमेश्वर ने मूसा के जरिये से अपने वचन को सत्य साबित किया। क्योंकि, इस बात की परवाह किए बिना कि क्या बात ने जगह ली, मूसा ठीक वचन के साथ बना रहा। यात्रा के समय में...

77 परमेश्वर ने उन्हें मिस्र में भी बताया, कि वह उन्हें छुड़ाएगा, “एक प्रतिज्ञा के देश के अंदर ले जाएगा, एक अच्छा देश, दूध और शहद से भरा हुआ।” और ये बिल्कुल वहां पर था। वे नहीं जानते थे कि यह वहां पर है, लेकिन उसने कहा, “यह वहां पर है, और मैंने इसे तुम्हें दे दिया है। यह पहले से ही तुम्हारा है, बस जाकर इसे दावा करें!”

78 और जंगल में, जब उनमें से बहुत से आत्मा में नाचते हुए बाहर आये, जब मरियम ने डफ को बजाया; वे स्वर्ग में से आये हुए मन्ना को खा रहा थे; मूसा को आत्मा में गाते हुए सुना; वे चमत्कारों और चिन्हों को होते हुए देख रहे थे। लेकिन जब यह एक निर्णायक फैसले की बात आयी, कि परमेश्वर के सारे वचन का विश्वास करे, सारी प्रतिज्ञा का, तो वे वहां पर विफल हो गए।

उनमें से केवल दो लोगों ने ही इसका विश्वास किया, वे थे यहोशू और कालेब। और वे प्रमाण को लेकर वापस आए कि वो देश अच्छा है।

79 लेकिन, परिस्थितियां ऐसी थीं कि यही उनके लिए रुकावट बन रही थीं। इसलिए, उन्होंने कहा, “हम उस देश को लेने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि उनके नगर दीवारों से घिरे हुए हैं, उनके—उनके—उनके प्रतिनिधि वहां पर हैं। ना ही उनके प्रतिनिधि, लेकिन उनके—उनके लोग जो बहुत बड़े–बड़े दानव है। क्योंकि, उनके सामने, हम टिड्डियों की तरह दिखाई देते हैं।”

80 यहोशू और कालेब ने कहा, “हम इसे अधिकार में लेने के लिए सक्षम है।” क्यों? परमेश्वर ने इसे उन्हें दे दिया था, कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे दानव कितने बड़े थे। वो रुकावट उनके लिए कोई मायने नहीं रखती थी। परमेश्वर ने ऐसा कहा था! और परमेश्वर ने इसे उनके द्वारा साबित किया। और उन्होंने वहां जाकर और देश को ले लिया, जैसा कि परमेश्वर ने कहा कि वे इसे कर लेंगे। उसने उनके लिए इसे साबित किया।

81 अब, जब वे अप्रैल के महीने में वहां पर आये, जब पानी पहाड़ों से, बर्फ के ढेरों से नीचे की ओर तेजी से बह रहा था, और इत्यादि, और ऐसा दिखाई दिया जैसे कि परमेश्वर एक कमजोर सा सेनापति है, कि वो उसकी

सेना को ठीक एक स्थान की ओर ले आया, जहाँ वे प्रतिज्ञा के देश में जाने से रुक गए। और जिस समय वो उन्हें वहां पर लेकर गया, वह उन्हें उस पार ले जाने वाला था, ये वर्ष का सबसे खराब महीना होता था। वो महीना यरदन नदी अपने किनारों से ऊपर बह रही थी, पानी बहकर बाहर खेतों के अंदर आ गया। क्यों, यदि वे उन्हें अधिकार करने जा रहे थे, तो यह गर्मियों के समय में होता, जब वे पानी के रास्ते को पार कर सकते थे। लेकिन वो तब तक रुका रहा जब तक पानी गहरा नहीं हो गया। वो यह दिखाना पसंद करता है कि वह परमेश्वर है। वो अपने वचन को साबित करना पसंद करता है, चाहे कुछ भी हो जाए।

82 कोई परवाह नहीं कि डॉक्टर ने कहा, "तुम कैंसर से मर रहे हो।" मनुष्य को बस इतना ही पता है। हो सकता है आज रात आप में से कुछ लोगों के लिए पानी गहरा हो। लेकिन, याद रखें, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है। परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है, और परमेश्वर अपने वचन को साबित करता है। यह सच्चाई है।

83 वह तब तक रुका रहा जब तक पानी गंदा नहीं हो गया, जब तक कि वे गहराई में नहीं चले गये और उनके सिर के ऊपर तक नहीं पहुंच गया, और इत्यादि, और फिर उसने मार्ग को खोल दिया। वह उनके आगे–आगे गया और मार्ग को बनाया।

84 वे कैसे वहां यरीहो में प्रवेश करेंगे, जब कि यह पूरी तरह बंद हो गया था? यहोशू सोच रहा था। वह जानता था कि परमेश्वर ने उसकी इतनी दूर तक अगुवाई की है, तो अगला कदम परमेश्वर का है।

85 एक दिन, जब वह बाहर घूम रहा था, दीवारों की ओर देख रहा था, उसने एक व्यक्ति को अपनी तलवार को बाहर निकाले हुए खड़ा देखा। और यहोशू ने अपनी तलवार बाहर निकाली और उस व्यक्ति के सामने चला गया, उसने कहा, "तू किसकी ओर है? क्या तू हमारे साथ हैं या तू हमारे शत्रु की ओर हैं? "

86 उसने कहा, "मैं प्रभु की सेना का कप्तान हूं।" और उसने उसे बताया कि उसे क्या करना है। वह किस तरह से एक तुरही को फूंकेगा और एक दीवार नीचे गिर पड़ेगी, जिस दीवार के ऊपर वे एक रथ को दौड़ा सकते थे? भला इसका उस एक तुरही से क्या लेना देना है?

87 परमेश्वर ऐसी साधारण सी विधियों का उपयोग करता है। यह ऐसा ही

है, इसकी साधारणता मेरे लिए उसे परमेश्वर बनाती है। हम हमेशा किसी बड़ी चीज़ की तलाश में रहते हैं, जो कुछ तो बड़ा करेगा, और परमेश्वर... कोई तो बड़ा संगठन आकर इस पूरे मामले को अपने हाथ में ले लेगा और इसे साफ कर देगा। जब कि, परमेश्वर एक साधारण से व्यक्ति को लेता है, केवल एक मनुष्य जिसे वह अपने हाथों में ले सकता है, और वह उसके द्वारा कहे गए हर एक वचन को साबित करेगा। ऐसे ही साधारण सी छोटी–छोटी विधियों को लेता है!

88 "तुरही को फूंकना।" ना ही दीवार को खोदना, लेकिन, "बस एक तुरही को फूंकना, और दीवारें नीचे गिर जाएंगी। तुरही की तेज आवाज दीवारों को नीचे गिरा देगी।" सांसारिक मन के लिए यह कितनी मूर्खता की बात है! लेकिन परमेश्वर ने साबित किया कि उसका वचन सच्चा है, क्योंकि दीवारें गिर गयी, एक के ऊपर एक। उन्होंने सीधे जाकर चढ़ाई की और उन्होंने नगर पर अधिकार कर लिया।

89 ओह, परमेश्वर स्वयं को परमेश्वर साबित करना पसंद करता है! यहोशू यह जानता था। एक दिन, और जब वह वहां पर खड़ा था, तो अब तक की एक सबसे बड़ी अविश्वसनीय लेकिन सत्य बात घटित हुई, यीशु मसीह की मृत्यु, गाड़े जाने और पुनरुत्थान को छोडकर। जब वो शत्रु... उसने उन्हें परास्त कर दिया था, और विभिन्न सेनाएं पहाड़ों में थी। उसने उन्हें परास्त कर दिया था, और सूर्य अस्त हो रहा था। ओह, प्रभु, सेनापति यहोशू के लिए क्या ही समय था!

90 याद रखें, उसने उस देश के लिए लड़ाई लड़ी, बिना किसी अस्पताल के, एक नर्स के, एक प्राथमिक उपचार के, या एक घायल व्यक्ति के। मुझे कोई ऐसी चीज बताये जो इसका मुकाबला कर सकती है। जी हां, श्रीमान। उसके पास कभी भी कोई अस्पताल नहीं था, कोई नर्स नहीं थी, और उसने कभी भी किसी भी व्यक्ति को नहीं खोया, जब तक वे प्रभु की इच्छा में और उसके वचन में चले। परमेश्वर ने साबित किया कि वह उनके साथ था। यह सही है। अब ध्यान दें।

91 और हम पाते हैं कि यहोशू जानता था, यदि रात हो गई, तो वे इधर–उधर छिप जाएंगे और एक दूसरे के साथ हो जाएंगे, और—और अपने आप को एक साथ करके और एक और बड़ी सेना को बना लेंगे, और अगले दिन पर उन्हें उनके साथ कठिन समय का सामना करना पड़ेगा। उसे समझ

नहीं आ रहा था कि क्या करे, इसलिए उसने परमेश्वर की ओर देखा। उसे सहायता की आवश्यकता थी, और उसे उस सूर्य की आवश्यकता थी कि ठहर जाए। इसलिए उसने बस उस सूर्य को रुके रहने की आज्ञा दी, और... कहा कि "चंद्रमा अजालोन के ऊपर ठहरा रह," जब तक उसने आज्ञा नहीं दी तब तक ये नही हिलें। और चन्द्रमा और सूर्य चौबीस घंटे तक वही पर रुके रहे, जब यहोशू ने लड़ाई लड़ी और शत्रुओं पर जय को पाया, क्योंकि वह ठीक अपने कर्तव्य की पंक्ति में था। उसके पास ऐसा करने का अधिकार था, क्योंकि वह परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर रहा था।

92 और जब तक आप अपने कर्तव्य की पंक्ति में होते हैं, परमेश्वर के वचन का पालन कर रहे होते हैं, वही करते है जो उसने आपको करने के लिए कहा है, परमेश्वर के आदेश के अनुसार आगे बढ़ते जाते है, तो आपके पास उस पहाड़ से कहने का अधिकार है, "हट जा!"

93 परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है। "यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' अपने ह्रदय में संदेह ना करो, लेकिन विश्वास करो कि जो तुमने कहा है वो पूरा होगा, तुम्हारे पास वो हो सकता है जो तुमने कहा है।" यीशु ने ऐसा कहा, संत मरकुस 11:22 में। यही सत्य है। मैं जानता हूं कि यही सत्य है। यह परमेश्वर का वचन है, और यह साबित करता है कि यह सत्य है। हम बस कभी–कभी डरते हैं। हम एक स्थान पर पहुंचते हैं, हम डरते हैं कि वह उस वचन को पूरा नहीं करेगा। वह अपना वचन पूरा करेगा। उसने कहा कि वह इसे करेगा। अब, हम पाते हैं कि यह सच है। उसने इसे साबित किया।

94 यशायाह की भविष्यवाणी, एक बार, कुछ ऐसा हुआ जो पहले कभी नहीं हुआ था; पहले कभी नहीं हुआ था, और तब से लेकर कभी नहीं हुआ। उसने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी।" क्या आप एक स्त्री की कल्पना कर सकते हैं, बिना किसी पुरुष को जाने, उसके पास एक बालक होगा? यशायाह ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी।"

और परमेश्वर ने एक कुंवारी को गर्भवती किया, ताकि उसके वचन को सत्य साबित करे। उसने अपने वचन को साबित किया, क्योंकि एक कुंवारी गर्भवती हुई और उसने पुत्र को जन्म दिया।

95 अब, वो वचन देहधारी हुआ, देखो उसने क्या किया। जब वो पुत्र आया, तो वह स्वयं ही वचन था। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर

के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया।"

96 वह वो जीवित वचन था। उसने साबित किया कि वही वो जीवित वचन था। उसने उस समय के उन शिक्षकों से कहा, "कौन मुझे पाप के लिए दोषी ठहरा सकता है?" *पाप* "अविश्वास" है। "कौन मुझे बता सकता है कि मैं एक अविश्वासी हूं? हर एक वचन जो मेरे लिए लिखा गया है, पूरा हुआ है।" उसके जीवन की अंतिम सात भविष्यवाणियां क्रूस पर अंतिम सात घंटों में पूरी हुई। हर एक चीज जो उसके विषय में लिखी गई थी, वो पूरी हुई, क्योंकि वो वचन था। उसने साबित किया कि वो था, वही था। उसने बीमारों को चंगा किया। उसने मुर्दों को जिलाया। उसने मृत्यु, अधोलोक और कब्र पर जय को पाया। उसने साबित किया कि वो वचन था।

इस मामले पर ध्यान देंना यहाँ याईर के घर पर। वो... उसने उन्हें सच को बताया था। हम उसे देखते हैं जब उसने समुद्र को पार किया। वो वहां पर आता है।

97 वहां ऊपर पहाड़ी पर एक छोटी सी महिला थी, जिसने अपना सारा पैसा डॉक्टरों पर खर्च कर दिया था। कोई संदेह नहीं, डॉक्टरों ने वो सब किया जो वे जानते थे कि कैसे करना है, जिससे कि महिला को ठीक कर सके; शायद वे इब्रानी डॉक्टर थे, और वह एक इब्रानी महिला थी, इसलिए उन्होंने अपनी बहन के लिए सब कुछ किया था जो वे कर सकते थे। हालाँकि, उनके पास इस लहू की बीमारी को रोकने के लिए कुछ भी नहीं था, जो कि, हो सकता है, एक रजोनिवृत्ति का समय था और उसका लहू बहता ही जा रहा था इतना तक कि वह... वह छोटी सी स्त्री इतनी कमजोर हो गयी थी कि मुश्किल से अब और अधिक इधर–उधर नही चल पाती थी। और उसने यीशु के विषय में सुना था। और जब उसने छोटी नाव को पानी के पास की झाड़ियों में धकेलते हुए देखा, तो वह पता लगाने के लिए वहां नीचे गई।

98 उसके बहुत से आलोचक वहां खड़े हुए थे। और आज भी वो उन आलोचकों से मुक्त नहीं है। यदि वे जान जाते कि वह कौन था, तो वे उसके आलोचक न रहे होते। लेकिन वे उसके आलोचक थे क्योंकि वे नहीं जानते थे कि वह कौन था।

और आज के संदेश के साथ इसी तरह से है, बहुत से अच्छे पुरुष और महिलाएं इसकी आलोचना करते हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि यह क्या है।

99 यीशु ने कहा, “यदि तुम मूसा को जानते होते, तो तुम मुझे भी जानते। मूसा ने मेरे विषय में बात की। बहुत से महान लोगों ने इस दिन को देखने की इच्छा रखी। यदि मैं अपने पिता के कामो को नहीं करता, तो मेरा विश्वास मत करो। मेरे पास और भी बड़ी गवाही है,” उसने कहा, “यूहन्ना की तुलना में, जो काम मैं करता हूं, उनसे यह साबित होता है कि पिता मेरे साथ है।” उसने बढ़कर काम किये थे, क्योंकि उसकी पहचान हुई थी। यूहन्ना की भी पहचान जंगल में पुकारने वाले की आवाज के रूप में हुई थी। लेकिन जब वह आया, तो वह भविष्यव्यक्ता था जिसके विषय में मूसा ने बोला था कि वह उठ खड़ा होगा।

जैसा कि मैंने पिछली रात को कहा, वह तीन नामों में आया; परमेश्वर के पुत्र के नाम में, मनुष्य का पुत्र, और दाऊद का पुत्र।

100 जब वह यहां धरती पर था, पहली बार, वो मनुष्य का पुत्र था। तब वह परमेश्वर का पुत्र नहीं हो सकता था; उसने कभी ऐसा होने का दावा नहीं किया। उसने कहा कि वह “मनुष्य का पुत्र” था। जब कोई भी उससे प्रश्न करता, उसने कहा, “तुम मनुष्य के पुत्र को देखते हो; मनुष्य का पुत्र।” अब, “मनुष्य का पुत्र” एक *भविष्यव्यक्ता* होता है। उसे उसी तरह से आना था, क्योंकि, वो वचन, वह उस वचन के विपरित नहीं आ सकता है।

101 इसी कारण, आज, जो कि हमारा—हमारा इस समय का सन्देश है धर्मज्ञानियों और धर्मज्ञान के जरिये से नहीं आ सकता है, इसे उसी चीज पर वापस आना है जिसकी इसे करने की प्रतिज्ञा की गयी है। इसे इसी तरह से होना ही चाहिए।

102 इसलिए हम पाते हैं कि, इस मनुष्य में, उसे एक भविष्यव्यक्ता होना था। ना ही वहां परमेश्वर का पुत्र, उसे मनुष्य का पुत्र होना था। यहोवा ने स्वयं उन भविष्यवक्ताओं को ऐसा कहकर बुलाया, यिर्मयाह और उन्हें, “हे मनुष्य के पुत्र।” “जब तुम मनुष्य के पुत्र को देखते हो... ” “मनुष्य का पुत्र कौन है? ” वे पूछते रहे।

103 तब, उसने मनुष्य के पुत्र के रूप में अपने कार्य को किया। उसके बाद उसने अब परमेश्वर के पुत्र के रूप में अपना कार्य किया। परमेश्वर एक आत्मा है, और अब जब कि उसने कलीसिया युगों में से होते हुए परमेश्वर

के पुत्र के रूप में कार्य किया। अब, सह–शताब्दी में, वो दाऊद का पुत्र होगा, जब वह दाऊद के सिंहासन पर बैठेगा। वह सिंहासन का वारिस होगा, दाऊद का पुत्र। मनुष्य का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, दाऊद का पुत्र, और ये हर समय वही मनुष्य है।

104 ठीक पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की तरह; परमेश्वर का कार्यस्थान। वो परमेश्वर पिता था, फिर वह परमेश्वर पुत्र बन गया, अब वह परमेश्वर पवित्र आत्मा है। ना ही तीन परमेश्वर; एक परमेश्वर, तीन प्रगटीकरण, एक ही परमेश्वर के तीन गुण।

अब हम पाते हैं, और इस समय में जिसमें हम अब रह रहे हैं, परमेश्वर अपने वचन को ठीक वैसे ही पूरा करता है जैसे उसने तब किया था।

105 हम पाते हैं कि वह समुद्र को पार करके आया था। इस महिला ने उस पर विश्वास किया, उसके भीतर कुछ तो था जो जोर से उमड़ने लगा। उस स्त्री के पास इसके लिए कोई वचन नहीं था, कोई भी वचन नहीं था जैसे यहोशू के पास सूर्य को रोकने के लिए कोई वचन नही था, लेकिन उस स्त्री ने अपने ह्रदय में विश्वास किया कि वो परमेश्वर का पुत्र है। इसलिए उसने कहा, “यदि मैं केवल उसके वस्त्र को छू लूं, तो मैं चंगी हो जाऊंगी।” इसलिए वह भीड़ में से होते हुए जोर लगाती रही जब तक कि उसने उसके वस्त्र को छू नहीं लिया, और लहू बहना बंद हो गया।

106 अब, उसने श्रोतागण की ओर देखा, यह देखने के लिए कि किसने उसे छुआ। कोई संदेह नहीं, वहां कोई तो था। वह रुक गया। वे सारे लोग जो उसके पास भीड़ लगा रहे थे; और कुछ लोग उसका उपहास उड़ा रहे थे, कुछ उस पर हंस रहे थे; याजक खड़ा होकर और उससे प्रश्न कर रहा था, और पादरीगण, और इत्यादि लोग। लेकिन कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने उस पर विश्वास किया था। और, और थोड़ी देर के बाद वह रुक गया, अचानक से, पीछे मुड़कर, उसने कहा, “किसने मुझे छुआ? ”

107 उनमें से कुछ ने कहा, “क्यों, गुरु!” मैं सोचता हूं कि ऐसा पतरस ने कहा था, “क्यों, सारी भीड़ तुझ पर गिर पड़ रही है। क्यों, किसने तुझे ‘छुआ’? क्यों, हर कोई तो तुझे छू रहा है!”

उसने कहा, “लेकिन मैं समझता हूं कि मुझ में से सद्गुण बाहर निकला है।” वह कमजोर हो गया। यह एक अलग प्रकार का स्पर्श था।

108 यदि हम केवल यही देख पाते, भाइयों, बहनों! काश आप उसे उस विशेष स्पर्श से छू सकते! ओह, बीमार लोगों, मैं बस कुछ ही मिनटों में आपके लिए प्रार्थना करने जा रहा हूं। मैं विश्वास करता हूं कि मेरे पास पवित्र आत्मा है, उतना ही पवित्र आत्मा, जितना तुम्हारे पास ठीक वहाँ पर है, जितना इन लोगों के पास यहाँ है। वही पवित्र आत्मा, लेकिन यह परमेश्वर की एक आज्ञा है; और यदि आप विश्वास करेंगे कि यह परमेश्वर की आज्ञा है, बीमारों के लिए प्रार्थना करना, और उन पर हाथ रखना, और दुष्ट आत्माओं को बाहर निकालना, और जो प्रतिज्ञाये उसने की है, यह आपके साथ भी उसी चीज को करेगा। आपको वही मिलेगा जो आप मांगते हैं, यदि आप इसका विश्वास कर सकते हैं।

"क्या तुम विश्वास ये कर सकते हो कि मैं इसे कर सकता हूं? " यीशु ने कहा।

109 "हाँ, प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ, " मिर्गी से पीड़ित बच्चे के साथ वाले व्यक्ति ने कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि तू परमेश्वर का पुत्र है जो संसार में आने वाला था।" अब, हम जानते हैं कि यह परिणाम को लाने के लिए केवल उस दृष्टिकोण की आवश्यकता हो सकती है।

110 अब, जल्दी से, आइए कुछ क्षण के लिए उसके बारे में सोचें, यहाँ वह अपने मार्ग पर आगे की ओर जा रहा है। एक छोटा याजक वहां पर आया, इसमें कोई संदेह नहीं लेकिन वह छोटा सा व्यक्ति एक सीमा रेखा का विश्वासी था।

111 आज संसार में उनमें से बहुत से ऐसे लोग है, जो छोटे से सीमा रेखा के विश्वासी है। वे इस बात पर विश्वास करना चाहते हैं। वे विश्वास करना चाहते हैं कि पवित्र आत्मा वास्तविक है। वे विश्वास करना चाहते हैं कि यह वही प्रेरितों की गतिविधि है, जैसा कि परमेश्वर ने अंत के दिनों में प्रतिज्ञा की है कि वह अपनी आत्मा को उंडेलेगा। हम... वो मलाकी 4 पर विश्वास करना चाहता है, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है, अंत के दिनों में उस—उस मूल पेंटीकोस्टल विश्वास को कलीसिया में फिर से वापस लौटायेगा।

112 मलाकी 4 इसका दावा करता है। "देखो, मैं तुम्हारे पास अंत के दिनों में एलिय्याह भविष्यव्यक्ता को भेजूंगा," यह सही है, "और वह बच्चों के विश्वास को पूर्व–पिताओं की ओर वापस फेरेगा," देखो, "पूर्व–पिताओं का विश्वास भी बच्चों की ओर।" देखो, ऐसा होना ही है।

आप कहते हो, "तो ठीक है, वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला था।" नहीं, नहीं।

113 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मलाकी 3 था। यह सही है। मत्ती 11 ऐसा कहता है, "यदि तुम इसे ग्रहण कर सकते हो, तो यह वही है जिसके विषय में बोला गया, 'देखो, मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे-आगे भेजता हूं।'" यह निश्चित रूप से एलिय्याह था। यीशु ने कहा यह था। लेकिन वो बिल्कुल भी मलाकी 4 का एलिय्याह नहीं था।

114 क्योंकि, "उस संदेश के तुरंत बाद, धरती आग से जल कर भस्म हो जाएगी, और धर्मी जन दुष्टों की राख पर चलेंगे।" इसलिए यूहन्ना के समय में ऐसा कभी नहीं हुआ। हमें एक संदेश को वापस लाना होगा और लोगों को इन सभी संप्रदायिक परिस्थितियों में से बाहर निकालना होगा, वापस मूल, वास्तविक पेंटीकोस्टल विश्वास की ओर। और हम इसे घटित होते देख रहे हैं; यह उस वचन को पूरा कर रहा है जिसका पूरा होना निश्चित है। हर एक वचन अवश्य ही पूरा होगा। हम इसमें से कितने और अधिक वचन को लागू कर सकते हैं, यह मुझे अब दिखाने के लिए मेरे समय से अधिक समय लग जाएगा। लेकिन आप इन बातों को समझते हैं, कि इसे बिल्कुल ठीक इसी तरह से होना है, अब्राहम की संतान के लिए, जैसा कि उसने प्रतिज्ञा की है।

115 हम देखते हैं कि यीशु अब उस छोटी लड़की को चंगा करने के लिए वहां जा रहा है। क्योंकि, पिता, सीमा रेखा का छोटा सा विश्वासी था, वो कुछ तो एक ऐसे स्थान पर आया कि उसे यीशु को पहचानना था, सो, डॉक्टर ने उस लड़की को छोड़ दिया था। और वह अपनी छोटी काली टोपी पहनकर यह पता लगाने निकल गया कि कहीं उसे यीशु मिल जाए। देखो, जब भी आपको उसकी आवश्यकता होती है, वह हमेशा ही ठीक वहां पर होता है। उसने उसे किनारे पर आते हुए पाया।

116 और उसने कहा, "मेरी छोटी लड़की के पास आकर, उस पर अपना हाथ रखिये, और वह चंगी हो जाएगी।" कहा, "वह मरने के कगार पर पड़ी हुई है। वह मेरी इकलौती संतान है।" कहा, "वह बारह वर्ष की है। हमारी और कोई संतान नहीं है। पत्नी और मैं," शायद, "बूढ़े हो रहे हैं। और यही हमारी इकलौती बच्ची है, और वह मरने के कगार पर पड़ी हुई है। प्रभु, मैं आप पर विश्वास करता हूं। यदि आप आकर उस पर हाथ रखे, तो वह

चंगी हो जाएगी।"

देखो, उसने किस बात को पहचाना? उसने पहचान लिया कि परमेश्वर का प्रतिज्ञा किया हुआ वचन इस मनुष्य में प्रगट हुआ था।

117 बिल्कुल वैसे ही जैसे निकुदेमुस ने कहा, "रब्बी, गुरु, हम जानते हैं कि तू एक गुरु होकर परमेश्वर के पास से आया है। हम इसे जानते हैं। फरीसी इसे जानते हैं।" उन्होंने इसे क्यों नहीं स्वीकार किया? "कोई भी मनुष्य उन चीजों को नहीं कर सकता है जो तू करता हैं, जब तक परमेश्वर उसके साथ न हो। हम जानते हैं कि तू परमेश्वर के पास से आया है।"

118 यहाँ हम पाते हैं कि याईर ने उसी बात का विश्वास किया। उसने कहा, "आकर अपना हाथ रखे।" वह जानता था कि परमेश्वर उसमें था। "अपने हाथ को मेरी बच्ची पर रखे। भले ही वह मृत्यु की कगार पर हो, वह जीयेगी।"

119 वह बस उसके साथ–साथ चलता रहा। और जब वह जा रहा था, यहाँ एक दौड़ता हुआ व्यक्ति आता है, और कहा, "उसे परेशान मत करो, गुरु को और अधिक परेशान मत करो। वो—वो लड़की, मरी हुई है, वो अब चली गई है। वो गुजर गई है।"

यीशु ने याईर की ओर मुड़कर, कहा, "क्या मैंने तुम से नहीं कहा, 'यदि तुम केवल विश्वास करो, तो तुम परमेश्वर की महिमा को देखोगे'? यदि तुम केवल इसका विश्वास करोगे!"

120 वह कमरे में गया, और वहां पर वे थे, सभी शोक कर रहे थे और रो रहे थे, और विलाप कर रहे थे, बस जैसे कोई भी व्यक्ति करता है। एक अच्छी छोटी लड़की, एक पास्टर की बेटी, मर गई थी, और उसे इस संसार से बाहर उठा लिया गया था। और वह शायद घंटों से मरी हुई थी, और फिर उन्होंने उसे खाट पर लिटा दिया था, और शायद उसके शरीर पर लेप लगाने के लिए तैयार थे, और उसे दूर रख दिया था, और दफनाने के लिए।

फिर हम देखते हैं कि यीशु चलकर घर में आया। वे सब विलाप कर रहे थे। वह कहता है, "शांति रखो।" उसने कहा, "वह मरी नहीं है, लेकिन वह सो रही है।"

121 अब क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि उन्होंने क्या सोचा होगा? "क्यों, इस व्यक्ति को अब हम जानते हैं। हम जहाँ तक समझते हैं कि

वो एक अवैध संतान है। और हम उसके विषय में सुनते हैं, उसकी सारी बेतुकी भविष्यवाणियां जो वह करता है। और अब हम जानते हैं कि याजक सही है, 'यह व्यक्ति पागल है,' क्योंकि हम जानते हैं कि वह मर चुकी है। डॉक्टर ने उसे 'मृत' घोषित कर दिया है और वह वहां पड़ी है। वह चली गई है, और हम जानते हैं कि वह मर चुकी है।" उन्होंने कहा, वे उसका तिरस्कार करने के लिए हंसे, दूसरे शब्दों में, उसकी आलोचना करने के द्वारा, उसे शर्मिंदा महसूस कराया।

122 लेकिन उसने इतना ही कहा था कि वह मरी नहीं है। बस इतना ही काफी है। "वह सो रही है।" कोई फर्क नहीं पड़ता चाहे कितनी भी आलोचना हो, वह अपने वचन को साबित करने जा रहा है! उसने उन सब को घर से बाहर कर दिया, सभी अविश्वासीयो को दूर कर दिया। पतरस, याकूब और यूहन्ना को अंदर लिया, जो विश्वासी थे, तीन गवाह, और पिता और माता को लेकर, अंदर जाकर और बेटी के हाथ को पकड़ा, और एक ऐसी भाषा में बोला जो उसके प्राण को कहीं तो उस ओर अनंतता में से वापस बुलाया। और लड़की जीवित रही।

123 उसने क्या किया? उसने अपना वचन साबित किया। उसने जो कहा उसे साबित किया। वह मरी नहीं थी। वह सो रही थी। अब हम पाते हैं, कि ऐसा करते हुए, और समझते हुए, उसने वहाँ कुछ तो और बात को भी साबित किया। अब उसने साबित किया कि वह परमेश्वर था। उसने साबित किया कि उसके पास पूर्व ज्ञान था। देखो उसका वचन अब क्या कहता है। "वह मरी नहीं है, लेकिन वह सो रही है।" देखो, पहले से ही वह मरी नहीं थी। वह सो रही थी। उसने अपने पूर्वज्ञान को दिखाया। अब, हो सकता है कि उसी सुबह बहुत सी छोटी यूवा लड़कियां मर गई हो, लेकिन यह एक मरी नहीं थी। वह सो रही थी, जैसे लाजरस सो रहा था। और उसने उसे उस नींद में से जगाया, क्योंकि वह मरी नहीं थी।

124 "और वह जो मुझ पर विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए, तौभी वह जीवित रहेगा; और जो कोई भी जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा।" केवल वे लोग जो मेमने की जीवन की पुस्तक में हैं, जिन्हें उसने छुड़ाया जब वो मरा, यही है जिसे वो उस दिन पर उस नींद में से बाहर बुलाएगा, जो लोग उसकी सामर्थ के द्वारा जिलाये गये है, जिनके पास उन में जिलाने वाली सामर्थ है। जैसा कि मैंने पिछली रात को

कहा था; यहाँ तक कि एलीशा के मरने के बाद, और उसकी हड्डियाँ कब्र में पड़ी हुई थी, वो जिलाने वाली सामर्थ अब भी उसकी हड्डियों पर थी।

125 निश्चय ही, उसने साबित कर दिया कि वह कौन था। अब हम फिर से पाते हैं, इसी तरह, उसने यह भी साबित किया कि इब्रानियों के 4थे अध्याय और 12वें पद में, उसने साबित किया कि वह परमेश्वर का वचन था। उसने निश्चय ही साबित किया। ध्यान दीजिए उसने क्या किया। इब्रानियों, 12, इब्रानियों 4:12 कहता है कि, "परमेश्वर का वचन अधिक सामर्थी है, एक दोधारी तलवार से भी तेज, और—और यह विचारों और ह्रदय के इरादों को भी जांचता है।" अब कुछ क्षण के लिए ध्यान देना।

126 जब उसने पहली बार अपनी सेवकाई को आरंभ किया, उसके बाद वह यह दिखाने के लिए सामने आया कि वह वचन था, जब वह जंगल से अपनी परीक्षा में से बाहर आया, तो वहां पतरस नाम का एक मनुष्य था, उस समय उसका नाम शमौन था। और वह अपने भाई अन्द्रियास के साथ यीशु के पास आया। और जैसे ही वह यीशु मसीह की उपस्थिति में चलकर गया, यीशु ने कहा, "तेरा नाम शमौन है। और तेरे पिता का नाम योना था। अब आगे से तेरा नाम पतरस बुलाया जायेगा।" इससे यह साबित हुआ कि वो वचन था, क्योंकि वचन विचारों और ह्रदय के इरादों को परखता है। वो वचन था।

127 फिलिप्पुस ने इसे होते हुए देखा। उसने पहाड़ के पास घूमने निकल पड़ा, एक दिन बीत गया, और वो वापस आ गया। और वह अपने साथ एक मित्र को लेकर आया जिसका नतनएल था। और उसने कहा, "ये बातें सचमुच घटित हो रही है। मूसा ने कहा था, 'प्रभु हमारा परमेश्वर उसके समान एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करेगा' और यहां पर वह मनुष्य है। क्योंकि, उसने शमौन को बताया कि वह कौन था, यहाँ तक कि उसका पिता कौन था, और हम जानते हैं कि वह जो कहता है वह सत्य है। क्योंकि, परमेश्वर ने इसे वचन में कहा है, और यहां यह साबित होता है कि उसे ऐसा करना था, और इससे साबित होता है कि यही वो मसीहा है।"

और जब वह उसकी उपस्थिति में आया, यीशु ने उससे कहा, कहा, "देखो एक इस्राएली, जिसमें कोई कपट नहीं है।"

उसने कहा, "रब्बी, तुम मुझे कब से जानते हो?"

कहा, "इससे पहले कि फिलिपुस तुझे बुलाता, जब तू पेड़ के नीचे

था, मैंने तुझे देखा।" उसने अपना वचन साबित किया। उसने परमेश्वर का वचन साबित किया। उसने साबित किया।

128 वह स्त्री जो कुएं पर थी, जब उसके पास... तो ठीक है, उसने उससे कहा कि उसे उस घड़े से पानी पिला दे, जिससे वह कुएं से पानी निकाल रही थी, और उसने कहा, "यह तुम यहूदियों के लिए रीति के अनूकुल नहीं है कि हम सामरी स्त्रियों से इस प्रकार की चीज मांगे, क्योंकि हमारा कोई व्यवहार नहीं होता है।"

उसने कहा, "लेकिन यदि तुम जानती कि तुम किससे बात कर रही हो, तो तुम मुझसे पानी मांगती।"

उसने कहा, "कुआं तो गहरा है।"

और बातचीत, जैसे–जैसे यह आगे बढ़ी, अंत में उसे पता चल गया कि उसकी परेशानी क्या थी। और उसने कहा, "जाकर अपने पति को यहां लेकर आ।"

उसने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

उसने कहा, "तू ने सच कहा है, क्योंकि तेरे पांच पति हैं, और जिसके साथ तू अब रह रही है, वह तेरा पति नहीं है।"

129 "क्यों," उसने कहा, "श्रीमान, मुझे ऐसा लगता है कि आप एक भविष्यव्यक्ता हैं।" वह... "हमारे पास चार सौ वर्षों से एक भी भविष्यव्यक्ता नहीं था, आप जानते हैं।" कहा, "मुझे ऐसा लगता है कि आप एक भविष्यव्यक्ता है। अब, हम जानते हैं कि जब मसीहा आता है, जिसे मसीह कहा जाता है, जब वो आता है, तो वो हमें इस प्रकार की बातें बताएगा। यही उसका चिन्ह होगा।"

जब उसने कहा, "मैं वही हूं जो तुमसे बात कर रहा हूं," उसने अपने वचन को साबित किया। वो... हम साबित करते हैं जो उसने होने का दावा किया। वह मसीहा था, परमेश्वर का पुत्र।

130 अब हम यह भी पाते हैं, कि यह छोटी स्त्री जिसे यह लहू बहने का रोग था, जिसने उसके वस्त्र को छुआ था, इस बात से उस स्त्री के लिए यह भी साबित हो गया कि वह परमेश्वर का वचन था।

131 अब याद रखना, आज रात, यीशु ने कहा... इसके अलावा, इब्रानियों 1 में, इब्रानियों का 3रा अध्याय, मैं सोचता हूं कि इसी में है, उसने कहा

कि, “वो अब एक महायाजक है,” ये युग जिसमें हम अब रह रहे हैं, “एक महायाजक स्वर्ग में परमेश्वर के वैभव में बैठा हुआ है, जिसे हमारी दुर्बलता के भावना के द्वारा छुआ जा सकता है।”

इब्रानियों 13:8 में कहा, “वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।” वो वही परमेश्वर है जो तब था। वह आज रात भी वैसा ही है।

132 संत यूहन्ना 14:12, उसने कहा, “वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा। वह इससे भी अधिक करेगा, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।” देखा? “वह जो मुझ पर विश्वास करता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा।”

133 मत्ती 28 में, उसने कहा, “थोड़ी देर रह गई है और संसार मुझे फिर ना देखेगा, तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं जगत के अंत तक भी तुम्हारे साथ रहूंगा।”

134 यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। आज रात वह अपने वचन को साबित करने के लिए खड़ा है। (मेरा समय हो चूका है।) लेकिन उसने साबित किया कि वह कर सकता है। उसने तब अपने वचन को साबित किया, जो उसने उस दिन के लिए प्रतिज्ञा की थी। उसने यशायाह के शब्दों को साबित किया। उसने नूह के शब्दों को साबित किया। उसने मूसा के शब्दों को साबित किया। उसने भविष्यव्यक्ताओं के हर एक शब्द को सबित किया।

135 उसने प्रतिज्ञा की है कि इस दिन में, जिस दिन में हम रह रहे हैं, कि संसार सादोम की स्थिति में होगा, समलैंगिक। अब आज संसार में इसे देखें, सारे संसार भर में जहां–जहाँ मैं यात्रा करता हूं; केवल यहां ही नहीं, हर कहीं। यह बहुत गंभीर बात है। स्वीडन में, युवा पुरुष और महिलाएं बिल्कुल नग्न अवस्था में बर्फ में फिसलते हैं। और वे जर्मनी में, फ्रांस में, और अन्य सभी जगहों पर, यह लगभग एक प्रकार का कूड़ा–कर्कट है जो हमारे पास यहाँ संयुक्त राज्य अमेरिका में है। यह एक युग है। मैं, यदि मुझे कभी वापस आने का मौका मिलता है, तो मैं आपसे कुछ भविष्यवाणीयों की बातों पर बोलना चाहूंगा, आपको यह दिखाने के लिए, कि हम किस युग में रह रहे हैं। बाईबल ने कहा कि, “बच्चे अपने माता–पिता पर अधिकार करेंगे।” [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

136 … वचन। लेकिन, याद रखें, अब्राहम का एक बीज था, जो बीज

इसहाक था। साराह की मृत्यु के बाद उसके और भी बीज हुए। और वह एक सौ पैंतालीस वर्ष का था, उसने दूसरी स्त्री से विवाह किया, उसके बेटियों के अतिरिक्त उसके सात बेटे हुए, क्योंकि जब वह सौ वर्ष का था, तब परमेश्वर ने उसे फिर से एक जवान पुरुष बना दिया था। वह तब फिर से केवल पैतालीस वर्ष का था, इसलिए तब वह... हम यह जानते हैं। मैंने वर्षो पहले आपको यहां कैलिफोर्निया में प्रचार किया है।

137 और अब हम समझते हैं कि अब्राहम का बीज साराह के द्वारा जन्मा हुआ शारीरिक रीति से आया हुआ बीज नहीं था जो इसहाक था, जिसने एक राष्ट्र को बनाया, लेकिन शाही बीज उस प्रतिज्ञा के द्वारा आया था, जो यीशु मसीह था। और उस बीज के द्वारा, उसने एक शाही बीज को खड़ा किया। ओह, प्रभु! अब हम एक शाही याजकगण है, एक शाही राष्ट्र, एक पवित्र राष्ट्र, परमेश्वर को स्तुति देते हुए, उसके नाम को स्तुति देने वाले हमारे होंठों का बलिदान। परमेश्वर ने अपने वचन को साबित किया, उसने हम पर पवित्र आत्मा को उंडेल दिया।

138 उसने कहा, "जैसा सदोम के दिनों में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के प्रगट होने के दिन में होगा।" अब क्या आपने ध्यान दिया? परमेश्वर के पुत्र से, दाऊद का पुत्र बनने से ठीक पहले, वह स्वयं को फिर से मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रगट करता है। क्या आपने वचन पर ध्यान दिया?

139 क्योंकि, वह हमेशा ही करता है, वह कभी भी कुछ नहीं करता है, जब तक कि वह अपने सेवक भविष्यव्यक्ताओं को नहीं बताता है। बिल्कुल ऐसा ही है। यही है जो उसकी प्रतिज्ञा थी। समझे? वह कभी कुछ नहीं करता... परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता। वह हमेशा ही इसे करने से पहले, इसे प्रकट करता है।

140 आज हम जिस स्थिति में हैं, उसकी ओर देखे। देखिये कि हम कहां पर हैं। आप में से हर एक जन स्वीकार करेगा कि हम एक आधुनिक सदोम में हैं। आप जानते हैं कि यह देश इसी बात के लिए तैयार है। वहां... ये आशाओं से परे है; वहां इस राष्ट्र के लिए या कोई अन्य राष्ट्र के लिए उद्धार नहीं बचा है। अब हम उससे परे जा चुके हैं। वे भविष्यवाणियां जिन्होंने इस विषय में भविष्यवाणी की है, वे पूरी हो गई है। परमेश्वर अपनी अंतिम छोटी भेड़ को ढूँढ़–ढूँढ़कर इकट्ठा कर रहा है, चाहे वह कहीं भी हो। एक दिन सब भीतर आ जायेंगे। हम अतिंम समय में हैं। स्थिति के अनुसार देखे।

141 मैं आपसे पूछता हूं, बस एक भाई या बहन के रूप में, इससे पहले कि हम इन लोगों के लिए प्रार्थना करें, कि हम बस कुछ क्षण के लिए और अधिक विश्वास को बढ़ाये। और मैं जानता हूं कि हमें किसी नियत समय पर नहीं निकलना है। लेकिन मैं—मैं—मैं प्रार्थना पंक्ति को शुरू करना चाहता हूं, तब आप जो जाना चाहते है, तो जा सकते हैं। समझे? आप जो प्रार्थना पंक्ति में बने रहना चाहते हैं, वे रुक सकते हैं। लेकिन अब मुझे, बस एक भाई के रूप में, बस कुछ क्षण के लिए आपको कुछ तो बताने दे।

142 यीशु को देखो, लूका 17:30 में, देखिए, जब वह वहां अंत समय के विषय में बोल रहा था, कि किस तरह से नूह के दिनों में समान होंगे। तब उसने कहा, "और इसी प्रकार से, जैसे सदोम के दिनों में," कहा, "जब मनुष्य का पुत्र प्रगट होगा।" फिर से मनुष्य का पुत्र, ना ही परमेश्वर का पुत्र। "मनुष्य का पुत्र," देखो, जो मलाकी 4 को फिर से वापस लाता है, ठीक सीधा वापस। ये सारी दूसरी भविष्यवाणियाँ पूरी होती चली आ रही हैं, ठीक वैसे जैसे उन्हें होना चाहिए था। वह अपने वचन को सच साबित करता है। यह सही है।

143 और ध्यान दें, ऐसा करते हुए, वह किस तरह से अपना आत्मा सब प्राणियों पर उंडेलने जा रहा है, और क्या बात जगह लेने जा रही है, किस तरह लौटाया जाना वापस आएगा। "और तुम्हारे बेटे और बेटियां भविष्यवाणी करेंगे। मैं अपने दास और दासियों पर अपनी आत्मा को उंडेलूंगा। और मैं ऊपर आकाश में चिन्ह दिखाऊंगा।"

144 मुझे यहां भाई ली वेयल से आई हुई एक तस्वीर मिली है। मैं आपको दिखाना चाहता हूं कि उस दिन पहाड़ पर किस बात ने जगह ली, जब सभी स्कूल के बच्चे बाहर आ गए थे, ठीक उससे पहले जब सात मोहरों के खुलने का यह महान विषय सामने आया। जब स्कूल के बच्चों की छुट्टी कर दी गयी, मैं वहां ऊपर प्रार्थना कर रहा था, तभी एक आग की लपट भँवर के समान नीचे आई, फिर वापस ऊपर की ओर चली गयी और विस्फोट हुआ, और घूमकर फिर से नीचे उतर आई। यही वह बात थी जो उसने लोगों को जाकर बताने के लिए कही। हम... वहां यह है, जहां ट्यूसान के स्कूल... और जहां यह ऊपर हवा में चला गया।

145 और विज्ञान ने तस्वीरें ली, और इत्यादि, और इसके बारे में सवाल किए। उन्होंने कहा, "यह कहाँ पर है? क्या हुआ?" वे इसे समझ नहीं कर

सकते है, देखो। ओह, इसे किसी गुप्त कोने में नहीं किया गया, केवल लोगों की चेतना अंधी हो गई है। यह कभी नहीं... यीशु, जब वह यहां पर था, तो वहां लाखों लोगों को पता ही नहीं था कि वह धरती पर हैं। जी हां। आज लाखों लोग होंगे जो इसे नहीं समझेंगे, उनमें से लाखों–लाख लोग।

146 लेकिन वहां होंगे, उनके लिए जिनके लिए इसे भेजा गया है, वे इसे समझेंगे। "उस दिन बुद्धिमान लोग अपने परमेश्वर को जान लेंगे, और वे बड़े–बड़े काम करेंगे।" हम यह अनुभव करते हैं, वह घड़ी जिसमें हम अब रह रहे हैं।

147 अब सदोम की ओर देखो, देखो क्या हुआ। उसने कहा, "जैसा सदोम के दिनों में हुआ था।" वहां लोगों का एक झुण्ड था जो एक प्रतिज्ञा किये हुए पुत्र की प्रतीक्षा कर रहा था। हम यह विश्वास करते हैं। वह अब्राहम और उसका झुंड था। वहां एक गुनगुना झुण्ड था, लूत, आधा पिछड़ा हुआ, फिर भी एक विश्वासी; नीचे सदोम में। तीन वर्ग के लोग।

148 हमेशा ही वे तीन वर्ग होते हैं। हाम, शेम, येपेत के लोग। साथ ही, विश्वासी, ढोंगी विश्वासी, और अविश्वासी। वे हर जगह हैं, और हम—हम उन्हें हर झुंड में पाते हैं। और, आप उन्हें हर कहीं पा सकते हैं। और वो झुण्ड अब भी यहाँ मौजूद है। आपको इसका विभाजन समझना होगा। आप इसे सीधे वचन में से देख सकते हैं, बस सारी बातें एकदम मेल खाती हैं।

149 इसे ध्यान से सुनना। देखो आज रात हम स्थिति के अनुसार और भविष्यवाणी के दृष्टि से कहाँ पर खड़े हैं। अब, हम में से हर एक जन जानता है कि संसार एक सदोम की स्थिति में है।

हम जानते हैं कि इस्राएल के विषय में सारी भविष्यवाणियां, ये अपने देश में है। यदि आप राष्ट्रीय स्तर पर जानना चाहते हैं कि हम कहां खड़े हैं, तो इस्राएल को देखें, वह कहां पर है।

150 यदि आप जानना चाहते हैं कि कलीसिया की क्या स्थिति है, तो देखें कि स्त्रियां किस तरह से व्यवहार करती हैं। वो कलीसिया है। उसे देखना, अनैतिक, अशोभनीय; देखना, देखो कि कलीसिया कहाँ पर है। बस इस पर ध्यान दे, देखो, देखो, बस स्त्रियों पर ध्यान दे। आप देखते हैं, आपकी महिलायें किस तरह से नीचे गिर गयी और बहुत दूषित हो गयी है, इसी तरह से आपकी कलीसिया है, देखो, वो नमूना है।

151 देखो कि इस्राएल कहाँ पर है, आप समय को देखकर हिसाब लगाते है कि हम कहाँ पर हैं। देखो, बस उन चिन्हों और अद्भुत कामों को देखो। यदि आप—यदि आप, या यदि आपकी आंखें खुली हैं, तो देखें कि हम कहां पर हैं।

152 अब स्थिति के अनुसार देखें कि हम कहाँ स्थापित हो रहे हैं, संसार एक सदोम की स्थिति में है। अब ध्यान दे, "जैसा उस समय था।" अब ध्यान दें, उस दिन में कोई तो था जो आने वाले प्रतिज्ञा किए हुए पुत्र की प्रतीक्षा कर रहा था। अब्राहम और साराह, वे अब्राहम के झुंड में प्रतिज्ञा किए हुए पुत्र की प्रतीक्षा कर रहे थे। वे सदोम में नहीं थे। लेकिन अभी इस समय पर, घटना का अंतिम अध्याय, प्रतिज्ञा के पुत्र के आने से ठीक पहले, वहां तीन मनुष्य स्वर्ग से नीचे आए, एक दूत... दो दूत और परमेश्वर। और वे नीचे आए और अब्राहम के साथ बातें की, उस बतूल के पेड़ के नीचे। क्या यह सही है? और उनमें से दो जन सादोम में चले गए और नगर के पापों के विरुद्ध चिल्लाने लगे। और ऐसा अन्यजातियों के संसार के जलने से ठीक पहले था, उस समय पर। उस समय तब पूरा सदोम नष्ट हो गया। बस कुछ ही लोग बाहर निकाले गए, लूत और उसकी दो बेटियां। यहाँ तक उसकी पत्नी भी वहां नहीं पहुँच पाई; वह पीछे मुड़ी। मैं अभी आपको यह दिखाने के लिए समय निकालना चाहता हूं कि आपको ठीक अभी यह दिखाऊं कि वो कलीसिया उस स्थिति में कहां खड़ी है। मैं चाहता हूं कि आप अब इस पर ध्यान दे।

153 और एक मनुष्य पीछे रुक गया, जिसने अब्राहम से बात की, और उसने अब्राहम को एक चिन्ह दिखाया। और, देखो, अब्राहम ने परमेश्वर को बहुत से महान चिन्हों में देखा था। हम यह विश्वास करते हैं, क्या हम नहीं करते? आने वाले पुत्र से ठीक पहले। लेकिन इससे पहले कि पुत्र का प्रकटीकरण हो, वहां एक चिन्ह था जो उसे दिया गया था।

154 क्योंकि, पुत्र, सच्चा पुत्र, अब्राहम के विश्वास के जरिये से परमेश्वर का पुत्र होना था, देखो, जो यीशु था। हम अब्राहम के बीज है, मसीह में मरकर, हम अब्राहम के बीज हैं।

155 अब ध्यान दीजिए ठीक इससे पहले यह बात जगह ले, उस पुत्र को आना था। अब, यह एक जो रुक गया और अब्राहम से बातें की, उसकी पीठ तंबू की ओर थी, और उसने कहा, "अब्राहम।" अब, इसके ठीक एक

दिन पहले, वह अब्राम था। अब उसने कहा, "अब्राहम, तेरी पत्नी साराह कहां है?" ना ही सारा, एस–ए–आर–आर–ए। एस–ए–आर–ए–एच, राजकुमारी। "तेरी पत्नी कहां है, साराह?"

कहा, "वह आपके पीछे तंबू में है।"

156 उसने कहा, "मैं तुमसे भेंट करने जा रहा हूं, देखो, मेरी प्रतिज्ञा के अनुसार जो मैंने तुमसे की थी।" दूसरे शब्दों में, "जीवन के समय के अनुसार, साराह फिर से अपने सामान्य स्त्री जीवन के समय में आने लगेगी।"

157 और साराह, बूढ़ी हो गयी थी, अब सौ वर्ष की हो चुकी थी, तम्बू के भीतर अपने मन ही मन हँस पड़ी। देखो, वह अपने आप में मुस्कुराई, कहा, "वह व्यक्ति कैसे सही हो सकता है? देखो, मैं एक बूढ़ी स्त्री हूं, मेरा स्वामी अब्राहम भी बूढ़ा है, हमारा दांपत्य जीवन कई साल पहले ही समाप्त हो चूका है।" कहा, "मैं भला कैसे अपने स्वामी के साथ फिर से सुख को पा सकती हूं? वह बूढ़ा हो गया है, और मैं बूढ़ी हो गयी हूं, दूध की नसें खत्म हो चुकी हैं, हर... 'वो सूख गयी है।' हमारे पास भला फिर से कभी कैसे सुख हो सकता है?"

158 और उस व्यक्ति ने अपनी पीठ तंबू की ओर घुमाकर, कहा, "साराह यह कहते हुए क्यों हंसी, 'ये बातें कैसे हो सकती हैं?'" यह क्या था? विचारों का परखना, एक भविष्यवाणी! देखा? देखा? यही है जो उसने देखा।

159 अब उसने कहा, "यह फिर से लौटेगा, और मनुष्य का पुत्र," जो कि वो था, वह ठीक वहां पर मनुष्य का पुत्र था। तो ठीक है, उसने उसे एलोहीम कहा, "प्रभु परमेश्वर।" एलोहीम, कोई भी जानता है कि यह सही है, एलोहिम प्रभु परमेश्वर होता है। "आदि में एलोहीम ने आकाश और धरती की रचना की," वह एक जो सर्व पर्याप्त है। मनुष्य का पुत्र देहधारी हुआ, वहां वह उस समय पर देहधारी होकर वहां खड़ा था, एक दैविक शरीर के समान, वहां खड़ा हुआ था, विचारों को परख रहा था कि साराह उसके पीछे तंबू में क्या सोच रही थी। उसने प्रतिज्ञा की। देखो। अब्राहम के शाही बीज के लिए भी उसी चीज को देखने की प्रतिज्ञा की गयी है।

160 लेकिन लूत पर ध्यान दें, उसके पास वहां पर भी एक दूत था, उनमें से दो दूत वहां नीचे गए। उनमें से एक नीचे चला गया, और दूसरा एक

उसके साथ वहां नीचे गया, और उन्होंने प्रचार किया और लोगों को आने वाले क्रोध से भागने के लिए बताया।

161 स्थिति के अनुसार, जिस दिन यीशु ने यह प्रतिज्ञा की थी, उस दिन से लेकर अब तक संसार कभी भी ऐसी अवस्था में नहीं रहा। मैं किसी भी इतिहासकार से पूछना चाहता हूँ जो हो सकता है इस भवन में मौजूद हो, या यदि आप इस टेप पर भी इसे सुनते हैं, और इसे किसी भी समय सुनते हैं, तो कृपया मुझे लिखें। मैंने अब लगभग तीस वर्षों से इतिहास का अध्ययन कर रहा हूं, बाईबल के इतिहास का, और ऐसा कोई भी व्यक्ति कभी नहीं रहा है जिसे मैंने कभी भी कलीसिया के पूरे इतिहास में नहीं देखा हो, सात कलीसिया युगों में से होते हुए। अब हम लौदीकिया में हैं, और हम यह जानते हैं।

162 कभी भी कोई संदेशवाहक नहीं हुआ है, जो कभी भी संपूर्ण कलीसिया के पास गया हो, जिसके नाम की समाप्ति एच–ए–एम हम के साथ होती हो, अब तक कोई नही है। जी–आर–ए–एच–ए–एम, बिली ग्राहम। वहां पर मूडीज, फिन्नी, सेंकी, नॉक्स, लूथर और इत्यादि रहे हैं, लेकिन कभी भी एक एच–ए–एम, हैम नहीं हुआ, "राष्ट्रों का पिता।" अब याद रखना, वो जी–आर–ए–एच–ए–एम है, ग्राहम छह अक्षर, लेकिन ए–बी–आर–ए–एच–ए–एम अब्राहम सात अक्षर है। ध्यान दें, वे वहां पर हैं, बिली ग्राहम, संसार के उन—उन सारे भागों में जा रहे हैं, और सदोम से बाहर आने के लिए पुकार रहे है, "बाहर आओ, आने वाले क्रोध से भागो।" ऐसा कोई मनुष्य नहीं है जिसे मैं जानता हूं, उस कार्य क्षेत्र में, जिसके पास परमेश्वर की पकड़ हो, धर्मीकरण के वचन पर, जैसे बिली ग्राहम करते है। वह इसे प्रस्तुत कर सकते है। वह कोई ऐसा धर्मज्ञानी नहीं है, मैं सोचता हूं वह एक धर्मज्ञानी है, लेकिन वह कोई इतना जबरदस्त शिक्षक भी नहीं है, लेकिन परमेश्वर उसके साथ होता है, और वह व्यक्ति संडे स्कूल की शिक्षा की तरह बोलते हुए लोगों को पूरी तरह बाँधे रखता है। वह परमेश्वर का इस घड़ी का सेवक है। किसके लिए? स्वाभाविक कलीसिया, जो सदोम में है।

163 लेकिन याद रखें, वहां एक आत्मिक कलीसिया थी, जो उस सांप्रदायिक ढाँचे का भाग नहीं थी। बाहर बुलाया हुआ झुण्ड, और उन्होंने एक संदेश को, और एक संदेशवाहक भी ग्रहण किया। और यह क्या था? उन विचारों को परखना जो हृदय में थे। परमेश्वर हमेशा अपने वचन को

साबित करता है।

164 आइए प्रार्थना करें। प्रिय स्वर्गीय पिता, इस निर्णायक क्षण में, जहां निर्णय अवश्य ही लिए जाने चाहिए, समय बीत रहा है, हम नहीं जानते कि हमारा प्रभु कौन सी घड़ी में आ सकता है। और जैसा कि हम इन भविष्यवाणियों को देखते हैं जो उसके द्वारा की गई हैं, युगों–युगों से आपके भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा जो कुछ कहा गया था, वह अब प्रकट किया जा रहा है। हे परमेश्वर, मैं इसके लिए आपका कितना धन्यवाद करता हूं, यहां तक कि हष्ट–पुष्ट शरीर वाला मनुष्य, धर्मज्ञान में—में निपुण मनुष्य, जो संसार की धूर्तता और अविश्वासीयो के विरुद्ध खड़ा हो सकता है, और इन मंचों पर, और संदेह की छाया से परे वहां निडर होकर और साहस से खड़ा हो सकता हैं, जानते हुए कि वे कहां खड़े हैं और पवित्रशास्त्र के द्वारा उस वचन को सत्य साबित करता हैं। और फिर हम जो आपके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, प्रभु, इन अन्य बातों पर विश्वास करते हुए जिनकी भविष्यवाणी की गई है कि वे जो बातें जगह लेंगी, कि खड़े होकर और यह देखने का आनंद ले कि आप ठीक हमारे बीच में चल रहे हैं और वही कार्य को कर रहे हैं जो आपने कहा था कि ऐसा घटित होगा, अपने वचन को सही साबित करते हुए। अनंत परमेश्वर, आपके बीमार बच्चे यहां बैठे हुए हैं।

165 मैं नहीं जानता कि हमें और कितना समय काम करना है। सांझ का सूर्य डूब रहा है। लेकिन आपने भविष्यव्यक्ता से प्रतिज्ञा की है, “सांझ के समय उजियाला होगा।” और हम देखते है कि वही सूर्य पूर्व में उगता हैं, वही सूर्य है जो पश्चिम में अस्त होता है। रोजाना के जीवन ने सूर्य के साथ यात्रा की है और अब हम पश्चिमी तट पर हैं, और सुसमाचार ने रोजाना के जीवन के साथ यात्रा की है। अब, पिता, हम जानते हैं कि यह सुसमाचार का अंत है, समय का अंत है, युग का अंत है। वह अनंतता में लुप्त होती जा रही है। लेकिन आपने प्रतिज्ञा की है कि पुत्र सामने आएगा, मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा। अंत के दिनों में, यह बात जगह लेगी। सांझ का उजियाला आ गया है, पिता। हम इसके लिए आपका धन्यवाद करते हैं। यद्यपि यह बहुत विनम्र तरीके से होता है, फिर भी आप इसे बहुत बार इतने साधारणता से करते हैं, कि यह बड़े–बड़े, तथाकथित तेज दिमागवालों के सिर के ऊपर से चला जाता है, और इसे ऐसे बालकों पर प्रकट करते है जो सीखना चाहते हैं।

166 मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप इसे आज रात ऐसा करेगे, कि यहाँ पर आपके बेचारे बीमार बच्चे परमेश्वर की प्रतिज्ञा को देखे, और उनमें से हर एक जन चंगा हो जाए, और कल यहां से नए मजबूत शरीर के साथ बाहर निकले, और फिर से स्वस्थ हो जाए। प्रभु, इसे प्रदान करें, जिससे कि वे संदेश को एक से दूसरे तक ले जा सके, जब तक कि अंतिम एक बाड़े में नहीं आ जाता, और तब दरवाजे बंद हो जाएंगे। प्रिय परमेश्वर, हमारी सहायता करें। आज रात, मैं आपसे मांगता हूं, इन सब के सामने, क्या आप बस एक बार और इसे करेंगे, पिता, मेरे लिए।

167 यह—ऐसा दिखाई दिया, उस रात, लोगों ने इस पर इतना अधिक ध्यान नहीं दिया। लेकिन, मैं प्रार्थना करता हूं, इसे आज रात को फिर से होने दीजिये, प्रभु। क्योंकि, मैंने बोलने के लिए अपने निर्धारित समय से अधिक समय ले लिया है, लेकिन मैं नहीं जानता कि हमें इसे करने के लिए और कितना समय लगेगा। इसलिए, मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, क्या आप मेरी सुनेंगे? और इन धर्मी पुरुषों और महिलाओं की प्रार्थना सुने जो आज रात यहां पर बैठे हुए हैं, जो आपकी आत्मा से भरे हुए हैं। वे विश्वासी हैं, प्रभु, आप बस उनके मध्य में काम कर सकते हैं। और हम... मैं प्रार्थना करता हूं कि आप अपने कहे गये वचन की पुष्टि करेंगे, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा।" यीशु, इसे फिर से होने देना, ताकि यह साबित हो कि आप कल, आज और युगानुयुग एक से है। मैं इसे परमेश्वर की महिमा के लिए मांगता हूं, उसके पुत्र यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

168 अब, बस कुछ क्षण के लिए, मैं जानना चाहता हूं कि यहां कितने लोगों के पास प्रार्थना कार्ड हैं। मैं—मैं चाहता हूं कि आप सभी अपने हाथों को उठाएं, आप में से हर एक जन जिसके पास प्रार्थना कार्ड है। तो, यह आम तौर पर, मुझे लगता है, बस लगभग यह सब कुछ खत्म हो गया है।

169 मैं सोचता हूं कि यहां कितने लोगों के पास प्रार्थना कार्ड नहीं है, और इस समय आप बीमार हैं, क्या आप अपने हाथों को उठाकर और कहेंगे, "मेरे पास प्रार्थना कार्ड नहीं है, और इस समय मैं बीमार हूं। मैं जरूरतमंद हूं।"

170 मैं आपसे कुछ क्षण के लिए आदरपूर्ण होने के लिए कहना चाहता हूं। अब, मुझे आपसे बात करना अच्छा लगता है। मेरी हमेशा ही यही परेशानी

रही है, मैं बहुत देर तक बात करता हूं। लेकिन आपके आने से पहले, मैं—मैं आशा करता हूं और भरोसा करता हूं कि परमेश्वर यह साबित करेगा और जो मैंने कहा है वह सत्य है, और बस उसे—उसे देखने दो।

अब, वहां पर कितने लोग बैठे हैं जो बीमार हैं, जो जानता है कि मैं आपके बारे में एक भी बात नहीं जानता, अपने हाथ ऊपर उठाये। बस इसकी ओर देखे। तो ठीक है।

अब मैं आप बिना प्रार्थना कार्ड वाले लोगों को चाहता हूं। प्रार्थना कार्डों वालों को ऊपर बुलाया जाएगा। मैं चाहता हूं कि आप प्रार्थना करें।

171 बाईबल ने कहा है कि, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" वह कहता है, "वो एक महायाजक है जो वहां बैठा हुआ हमारे अंगीकार करने पर बिचवाई के काम को कर रहा है।" हमें पहले इसे अंगीकार करना होगा, इससे पहले कि वह एक महायाजक हो सके, क्योंकि वह केवल हमारे अंगीकार करने के लिए बिचवाई के काम को करता है। क्या यह सही है, सेवक भाइयों? देखो, वह केवल हमारे अंगीकार करने पर बिचवाई के काम को करता है, हम जो अंगीकार करते हैं कि वो वही है, उसने हमारे लिए जो किया है। ऐसा नहीं कि वो *जो* करेगा। इसे वह पहले ही कर चुका है। हमें यह अंगीकार करना होगा कि उसने यह कर दिया है। "उसे हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया था, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।"

172 अब, स्वर्गीय पिता जानता है। और आपकी तरफ देखकर ऐसा लग रहा है कि मैं ओहियो से अपने एक अच्छे मित्र को पहचान रहा हूं, वो और उसकी पत्नी यहां बैठे हुए हैं, ये श्रीमान डौच और उनकी पत्नी है। और मैं विश्वास करता हूं, उनके पास दूसरे या तीसरे स्थान पर बैठे हुए हैं, ये फिर से वो आदरणीय, श्रीमान ब्लेयर है जिन्हें मैंने पिछली रात को देखा था। यह श्रोतागण के ऊपर अंधेरा है, मेरे लिए, यहाँ इन रोशनियों के वजह मेरे लिए एक प्रकार से धुंधला दिख रहा है, और मैं—मैं आपको बहुत अच्छी तरह से नहीं देख पा रहा हूं।

173 लेकिन मैं चाहता हूं कि आप प्रार्थना करें। और आप अपने ह्रदय में उस चीज को रखे जिसकी आपको आवश्यकता है, और आप हमारे महायाजक से मांगे, जिसे हमारी दुर्बलताओं की भावना से छुआ जा सकता है।

174 अब, मैं आपको नहीं जानता हूं, और शायद आप बस मुझे पूरी तरह

से छू सकते है, यह अपने भाई को छूने जैसा होगा, आपका पति, आपका पास्टर, किसी को भी छुए, इससे—इससे कोई लाभ नहीं होगा। लेकिन यदि आप उसे छूते हैं, और यदि हम सच में उसकी आत्मा की पंक्ति में है या अनुरूप हैं, तब वह आपके विश्वास का उपयोग कर सकता है कि उसे छूये, और मेरे दान को वापस बोलने के लिए उपयोग कर सकता है।

175 देखिये, मैं भी ठीक इसकी तरह बिल्कुल मूक यह गूंगा होता, जैसे कि *यहां* पर ये चीज है, बिना किसी आवाज के इसमें से होकर बोलना है। वहां पर होना है... यह, यह एक मूक चीज है, जब तक इसमें से होकर बोलने के लिए यहां कुछ नहीं है। और वैसे ही कोई भी व्यक्ति, जब इन चीजों की बात आती है, वो मूक होता है जब तक कि परमेश्वर उनके जरिये से नही बोलता है।

176 अब आप प्रार्थना करें, और देखें कि जो बातें मैंने कही है, क्या वे सत्य है। परमेश्वर ऐसा होने में सहायता करें। मैं यह नहीं कहता कि वह ऐसा करेगा। मैं आशा करता हूं कि वह करेगा। मैं भरोसा कर रहा हूं कि वह करेगा। उसने मुझे अभी तक कभी भी निराश नहीं किया है, इतने वर्षों में, सारे संसार भर में, सभी प्रकार के राष्ट्रों, और लाखों लोगों के साथ। उसने मुझे अब तक कभी भी विफल नहीं किया है। और मैं निश्चित हूं, बस उतना ही निश्चित हूं जितना मुझे विश्वास है कि मैं यहां खड़ा हूं, वह अब मुझे विफल नहीं करेगा।

177 मैं आपसे बस यही अनुरोध करूंगा कि आप आदर रखें और कुछ क्षणों के लिए बैठे ही रहें। हम अभी मुख्य सभा को समाप्त करने जा रहे हैं और बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे, बस कुछ ही क्षण में।

178 लेकिन मैं आपसे चाहता हूं, आप विश्वासी लोगों से, कि यदि आप मेरी ओर ना देखें, केवल विश्वास करें। कहे, "मैं विश्वास करता हूं कि उस व्यक्ति ने जो कहा ये वचन है। मुझे नहीं पता कि हम उतने अंतिम समय में पहुँच गए हैं जितना वह कहता है। लेकिन यदि ऐसा है, तो यह अवश्य होगा। यदि उसके वचन परमेश्वर के वचन हैं, तो उसके अपने शब्द असफल हों जायेंगे लेकिन परमेश्वर के वचन नहीं होंगे।"

179 परमेश्वर अपने वचन का समर्थन करने के लिए बाध्य है। वो इसे साबित करेगा। वह इसे साबित करेगा। "वह जो मुझ पर विश्वास करता है।" उसने साबित किया कि यह अन्तिम दिन है। उसने साबित किया कि क्या होगा।

उसने साबित कर दिया कि ये होना ही था।

180 और, याद रखें, अब्राहम और उसके झुण्ड को परमेश्वर से कभी भी एक और चिन्ह नहीं मिला, जब तक कि प्रतिज्ञा किया हुआ पुत्र नहीं आ गया। कितने लोग जानते हैं कि यह सच है? वो विचारों को परखने का चिन्ह! और अब्राहम का शाही वंश, मुझे आपसे सुनने दो... मैं आपको बता दूं, **यहोवा यों कहता है**, आप अपने अंतिम चिन्ह को प्राप्त कर रहे हैं। यह वचन और परमेश्वर के प्रकाशन के अनुसार है, जो मेरे ह्रदय में है, जो बोलता है कि यह सत्य है। और मैं भरोसा करता हूं कि आप इसका सत्य होने का विश्वास करेंगे।

181 अब आप विश्वास करें। सभी जन बस विश्वास करे, कहे, "प्रभु यीशु, मुझे आपको छूने दो। मेरे ह्रदय में एक आवश्यकता है, और मैं जानता हूं कि भाई ब्रन्हम मेरे बारे में कुछ नहीं जानते। मैं यहाँ तक उस मनुष्य को जानता भी नहीं, वह मुझे नहीं जानता, लेकिन आप जानते हैं। और यदि उसने मुझे सत्य बताया है, तो यह घटित होगा।" मैं आपसे पूछता हूं, अब यहाँ–वहां ना जाये, बस थोड़ी देर के लिए। वास्तव में...

देखिये, आप आत्मा है। और मैं यहां हर एक आत्मा को अपने नियंत्रण में लेता हूं, यीशु मसीह के नाम में, ताकि उसका वचन पूरा हो सके।

अब केवल आदरपूर्ण बने रहे। प्रार्थना करें। उसकी ओर देखें, कहे, "प्रभु, मैं इस पर विश्वास करता हूं। आप मेरे अविश्वास का उपाय करे।"

आइए हम आरंभ करें। मुझे यहाँ भवन के किसी एक हिस्से पर ध्यान केंद्रित करना होगा, क्योंकि, देखो, आप में से बहुत से लोग है, और आप में से हर एक आत्मा है।

182 मैं नहीं कर सकता हूं। आप कहते हैं, "मेरे बारे में क्या है? " मैं आपको नहीं बता सकता। ये सर्वोच्च अधिकार है। परमेश्वर के सभी कार्य सर्वोच्च अधिकार हैं। आज रात इस मंच पर से होते हुए बहुत से लोग चंगे होंगे, हो सकता है बहुत से लोग ना हो। यह सब परमेश्वर के सर्वोच्च अधिकार में है। उसे कौन बता सकता है कि उसे क्या करना है? कोई नहीं। वह खुद की इच्छा के अनुसार कार्य करता है, खुद की योजना के अनुसार।

183 लेकिन आप बस विश्वास करें। नम्र बने। घबराये नहीं। बस परमेश्वर के लिए आगे बढ़े, और कहे, "प्रभु परमेश्वर, मैं इसका विश्वास करता हूं।" देखा? "मुझे आपके वस्त्र को छूने दो। मुझे *ऐसी–और–ऐसी* बात की

आवश्यकता है। मैं जानता हूं कि भाई मुझे नहीं जानता या मेरी आवश्यकता को नहीं जानता, लेकिन उसने हमें इन कामों के बारे में बताया जो आपने किए थे, और कहा कि आप आज यहाँ एक से हैं।”

184 यह आप भाई लोगों को यहां मंच पर बाहर नहीं करता है, आप में से किसी को भी। मेरे भाइयों, मैं अब आपसे पूछता हूं, मसीह के सुसमाचार के—के सहकर्मी के रूप में। मैं आपसे उतनी ही ईमानदारी से बोल रहा हूं जितना मैं जानता हूं, जैसे एक—एक मरता हुआ मनुष्य आपसे बात कर रहा है, जो इस संसार को छोड़ने वाला है। हमें छोड़कर जाना होगा। और मुझे न्याय के दिन अपनी कही गयी बातों का हिसाब देना है। मैं इसके प्रति सचेत हूं, बहुत ही सचेत हूं। और मैं आपकी सराहना करता हूं, आप जो हैं, यहां मेरे साथ खड़े हैं, मेरी मदद कर रहे हैं। मैं आपकी मदद करने का प्रयास कर रहा हूं, क्योंकि परमेश्वर के राज्य के लिए मैं हर संभव प्रयास कर रहा हूं।

मैं प्रार्थना कर रहा हूं और मांग रहा हूं।

यहाँ, कितने लोगों ने कभी चित्र में उस प्रकाश को देखा है? आपने इसकी तस्वीर देखी है? यह ठीक *वहां* पर टंगी है। क्या आप इसे नहीं देख सकते?

185 यह उस महिला के ऊपर है जो वहां अपने रूमाल के साथ बैठी है। वह अपने प्रियजन के लिए प्रार्थना कर रही है। यह सही बात है, महिला। वह प्रियजन... क्या आप मुझे उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करती हैं, या मुझे क्षमा करें, उसका दास होने का? [बहन कहती है, “मैं निश्चय ही करती हूं।”—सम्पा।] आप यह विश्वास करते हैं? तो ठीक है। अब, यदि परमेश्वर मुझ पर प्रकट कर सकता है कि क्या गलत है, क्यों, क्या आप इसे परमेश्वर की ओर से स्वीकार करेंगे, जैसे स्त्री ने उसके वस्त्र को छुआ? अब, आप जानती हैं कि आप—आप मुझसे बीस या तीस फीट की दूरी पर हैं, या उससे अधिक, आपने मुझे कभी भी छुआ नहीं है। लेकिन आपने कुछ तो छुआ है, आप जानती हैं कि आप किसी चीज के संपर्क में हैं, किसी के साथ। यह क्या है, यह एक महिला के लिए है, जो कि आपकी बेटी है। यह सही है। क्या आप विश्वास करती हैं कि वह चंगी हो जाएगी? वो नशे की आदी है। यह बिल्कुल सही बात है। मैं उसे नशे में तैरते हुए देखता हूं। समझे? अब, जो रूमाल आपके हाथ में है, आप उसके ऊपर

रखें, और संदेह ना करे। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर उसे छुड़ाएगा। क्या आप मेरे साथ इसका विश्वास करेंगी? आमीन।

अब, मैं उस स्त्री को नहीं जानता, लेकिन परमेश्वर उसे जानता है। क्या अब आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती हैं?

186 वह व्यक्ति वहां पर धारीदार कमीज पहने बैठा हुआ है, हर्निया से पीड़ित, आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा और आपको ठीक कर देगा? क्या आप विश्वास करते हैं कि वह इसे करेगा? मैंने अपने जीवन में उस व्यक्ति को कभी नहीं देखा है। आपके पास प्रार्थना कार्ड है, श्रीमान? [भाई कहता है, "नहीं, मेरे पास नहीं है।"—सम्पा।] आपके पास नहीं है? आपको इसकी आवश्यकता नहीं है।

"यदि आप विश्वास कर सकते है!"

187 यहाँ एक स्त्री बैठी है जो ठीक यहाँ बैठी हुई इस स्त्री के ऊपर से देखने की कोशिश कर रही है। वह मेरे लिए अजनबी है। लेकिन वो सचमुच घबराई हुई है। मैं उसे नहीं जानता। मैंने उसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा। लेकिन परमेश्वर उसे जानता है, और वो ठीक अभी ये अनुभव कर रही है कि वह किसी चीज के संपर्क में है। आप किसी कारण से वहां प्रार्थना कर रही हैं। आपका कारण यह हैं, कि आप आज रात से ज्यादा नहीं रुक सकती हैं। आपको सभा छोड़कर जाना ही है। आप कल अपने घर जाने की योजना बना रही हैं। आप यहां से नहीं हैं, या ना ही आप कैलिफोर्निया से हैं। आप यहां से पूर्व की ओर जा रही हैं। आप हवाई जहाज से जा रही हैं। आप हवाई जहाज से जाने की योजना बना रही हैं। आप ओक्लाहोमा से है। जी हां। यह सही है।

188 आप भी मरने की स्थिति में हैं। आप यहां प्रार्थना करवाने आई हैं। आपके पास कोई प्रार्थना कार्ड नहीं है। लेकिन आपने विश्वास किया है कि यदि आप केवल यहां तक आ सके, तो आप चंगी हो जायेंगी। यह सही है। आपकी स्थिति कैंसर की है। कैंसर हड्डी में है। क्या आप विश्वास करती हैं कि अब आप चंगी होने जा रही हैं? आप विश्वास करती है कि आप उसके संपर्क में है, मेरी बहन? शायद परमेश्वर मुझे बताए कि आप कौन है, तो क्या इससे आपको मदद मिलेगी? यदि ऐसा है, तो अपने हाथ को ऊपर उठाये यदि आप यह विश्वास करती हैं, कि (परमेश्वर) इससे आपकी मदद करेगा। तो ठीक है, श्रीमती स्टील, आप ओक्लाहोमा वापस जा सकती हैं।

मैं उस स्त्री को नहीं जानता। मैंने उसे कभी नहीं देखा।

189 यहाँ एक स्त्री ठीक उसके पीछे बैठी हुई है। वह उभरी हुई नसों से पीड़ित है। और उसका एक बेटा भी है जो शराब पीता है, और वह उसके लिए प्रार्थना कर रही है। यदि वह विश्वास करे, तो वह चंगी हो सकती है। श्रीमती मेसन, क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करेंगी, और विश्वास करेंगी कि यीशु मसीह आपको चंगाई प्रदान करेगा? क्या आप करती हैं?

तो ठीक है, तो फिर अपना हाथ वहां आपके बगल में बैठी हुई उस स्त्री पर रखें, वह अपने पति के लिए प्रार्थना कर रही है जो बचाया नहीं गया है। परमेश्वर चंगाई को प्रदान करेगा।

आइए हम प्रार्थना करें।

190 प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे इस आशीष को प्रदान करें। प्रभु, उस स्त्री को उसके ह्रदय की इच्छा को दीजिये। उसका विश्वास आपके इतने नजदीक है, इसने आपको छुआ है। और मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, कि आप यीशु के नाम में सहायता करेंगे। आमीन।

अब अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे, कि आपने इसे ग्रहण किया है। क्या आप ऐसा करेंगी? तो ठीक है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

क्या आपको विश्वास है कि आपका पति बच जाएगा, महिला? क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती हैं? अपना हाथ उठाये, कि आप विश्वास करती है।

191 वहां ऐसा दिखाई देता है, मेरे सामने, एक स्त्री जिसका वज़न अधिक है। वह वहां पर बैठी है। आप मुझे परमेश्वर का सेवक होने का विश्वास करती हैं? आप मुझे परमेश्वर का सेवक होने का विश्वास करती हैं? आप करती हैं। तो ठीक है। मैं आपको नहीं जानता। आपकी जो परेशानी है, ये ग्रंथियों की है। आपका वजन ज्यादा है। आप एक डॉक्टर के पास गयी होंगी, उसने कहा कि वह इसके बारे में कुछ भी नहीं कर सकता, लेकिन वह तो एक धरती पर का डॉक्टर है। देखा? आपका... आपको बस बहुत ही दु:ख हुआ था। आपने अपने पति को खो दिया है। आप यहां से नहीं है। आप असल में अरकंसास से हैं। आप काम को भी ढूंढ रही हैं, और आपको काम नहीं मिल रहा हैं। आपको कुछ तो ऐसा डर था, कि आपको बुलाया नहीं जाएगा। लेकिन आपके विश्वास ने अब परमेश्वर को छू लिया

है। मेरी बहन, आप जाये, विश्वास करे। परमेश्वर आपको नौकरी प्रदान करे, आपको आपके ह्रदय की इच्छा को प्रदान करे।

परमेश्वर अपने वचन को सत्य साबित करता है। क्या आप विश्वास करते हैं कि ऐसा ही है? अब मैं अब चाहता हूं कि आप मेरे साथ फिर से प्रार्थना करें।

192 पिता परमेश्वर, आप वही परमेश्वर है जिसने साबित किया है। जब आपने कहा था, "लड़की मरी नहीं है, वह सो रही है," तब आपको इसे साबित करना था। अब, आपने प्रतिज्ञा की है, कि अंत समय के आने से ठीक पहले, कि वो मनुष्य का पुत्र खुद को उसी प्रकार से प्रकट करेगा जैसे उसने सदोम में किया था। प्रभु, आपने इसकी प्रतिज्ञा की है। अब आप पवित्र आत्मा के रूप में धरती पर आए हैं, और आज रात हमारे बीच में है, हम विश्वास करने वाले लोग है, और इसे साबित किया है। आपने अपने वचन को साबित किया है जैसे आपने उस दिन किया था। प्रभु, हमें और प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। आप हमारे बीच में है। हम आपसे प्रेम करते हैं। और हम यह अनुभव करते हैं कि वचनों के अनुसार यह आपके आगमन से ठीक पहले का अंतिम चिन्ह है। और सारी प्रतिछाया और नमूने कभी भी विफल नहीं होते हैं। उन्हें वास्तविक में होना है।

193 सो हम प्रार्थना करते हैं, पिता, जैसे कि आपके बच्चे अब प्रार्थना के लिए आते हैं, कि हर एक जन चंगा हो जाए। होने पाए इस चंगाई सभा के अंत में वहां हमारे बीच कोई भी बीमार व्यक्ति ना बचे। हे प्रिय परमेश्वर, क्या आप अपने लोगों पर अभिषेक को ठीक अभी इतना कृपापूर्वक होने देंगे, कि उनमें से हर एक जन चंगा हो जाए?

194 और यदि यहां कोई है, जो अब तक आपकी संतान नहीं है, और इन बातों के आधार पर, कि... उन्होंने वचन को सुना है और काम को पूरा होते हुए देखा है, बिल्कुल ठीक वैसे ही अक्षर दर अक्षर साबित हुआ है, और आप कौन हैं और आप क्या हैं, कि आप यहां पर हैं।

195 और, प्रभु, क्या आप—क्या आप एक झूठ को आशीष देंगे? क्यों, बिल्कुल भी नहीं, प्रभु। लेकिन आपने अपने वचन को आशीषित करने की प्रतिज्ञा की है, और यह व्यर्थ नहीं लौटेगा। यह उस कार्य को पूरा करेगा जिस उद्देश्य के लिए इसे भेजा गया है। और अब आपने आज रात हमारे सामने, बिना किसी संदेह के इसे कर दिया है।

196 और हमारे झुके हुए सिरों के साथ, क्या यहां ऐसे लोग हैं जिन्होंने पहले कभी विश्वास नहीं किया, जो बस अपने हाथ को ऊपर उठाना चाहेगा? अपने सिर को झुकाकर, बस अपने हाथ को ऊपर उठाए। और अपने पैरों पर खड़े हो जाए, और कहे, "अब मैं अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं। और मैं ठीक अभी यीशु मसीह को स्वीकार करना चाहता हूं।" क्या आप ऐसा करेंगे, कोई भी व्यक्ति हो, कोई भी व्यक्ति जो यहां उपस्थित है, जिसने अभी तक मसीह को स्वीकार नहीं किया है, और क्या इस समय पर इसे करना चाहेंहा? मैं आपको नहीं बताऊंगा... आप अपनी पसंद की कलीसिया में जाये। लेकिन मैं आपको यीशु मसीह को स्वीकार करने के लिए कह रहा हूं, जबकि आप... आप शायद कभी भी उसके इतने नजदीक नहीं रहेंगे जब तक आप उसे व्यक्तिगत रूप से नहीं देख लेते हैं, जब वह स्वर्ग से अपनी प्रकट देह में आता है। यदि आपने अभी तक उसे स्वीकार नहीं किया है तो क्या आप उसे अभी स्वीकार करेंगे?

197 यह देखते हुए बिना आधार के यहाँ कोई भी खड़ा हुआ नहीं है, मैं विश्वास करता हूं कि आप सभी समझदार, विवेकशील लोग है, और इस बात को जानते है कि आप क्या कर रहे हैं। यदि आप वहां इसके नीचे बैठे हैं, तो आपको याद होगा, "यदि तुम मनुष्य के सामने मुझ से लज्नित होगे, तो मैं अपने पिता के सामने तुमसे लज्नित होऊंगा।" वहां कोई तो खड़ा था, हो सकता है, हां, श्रोतागण में, पीछे की ओर।

198 प्रिय परमेश्वर, वे लोग जो खड़े है, मैं नहीं देख पा रहा हूं, हो सकता है, वे आपको स्वीकार करना चाहते हैं। प्रभु, उन्हें एहसास हो गया हैं कि ऐसा अब तक नहीं किया गया है, और अब आप इसकी पुष्टि करे और साबित करे कि ऐसा ही है। पिता, मैं प्रार्थना करता हूं, जो उनके ह्रदय में है, जो इस समय पर असाधारण रूप से बढे हैं... हम कैसे जानेगे कि यह अंतिम व्यक्ति कौन है जो अंदर आयेगा? यह हो सकता है लॉस एंजिल्स के लिए अंत हो। यह हो सकता है अंतिम प्राण हो जो राज्य के अंदर जन्म लेगा। हम नहीं जानते कि वो समय कब आएगा। और जब ऐसा होता है, तो द्वार बंद हो जाएगा, देह पूरी हो जाएगी। यह एक विचित्र देह या एक विचित्र दुल्हन नहीं होगी। इसके ऐसे बहुत से सदस्य होंगे जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में संसार की बुनियाद डालने से पहले लिखे गए थे, जिसे यीशु लेने को आया, आदम की तरह, अपनी पत्नी को बचाने के लिए सीधा बाहर चला गया। मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि अब आप उन्हें

अपने राज्य में ग्रहण करेंगे। वे आपके हाथों में हैं। उनके साथ व्यवहार करे, प्रभु, मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूं। आमीन।

199 परमेश्वर आप में से हर एक को आशीष दे जो खड़े हुए है। मैं नहीं जानता था कि आप में से कुछ लोग खड़े है। कुछ पीछे की ओर खड़े थे, कुछ ऊपर बालकनी में। अब मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए एक काम करें। कृपया मुझे समझे। यहां किसी सेवक से मिलें और कलीसिया समाप्त होने के बाद, उनसे इस बारे में बात करें। क्या आप ऐसा करेंगे? इस बात से चूकना मत। यदि आपने कभी भी मसीही बपतिस्मा में बपतिस्मा नहीं लिया है, इसके बाद इसे करें, और फिर अपने हाथों को ऊपर उठाये रखे जब तक आप पवित्र आत्मा को नहीं पा लेते।

200 अब, और यहां बहुत से लोगों के पास प्रार्थना कार्ड है। हम उन्हें कहेंगे कि वे खड़े हो जाए, और यहां पर आ जाये, और मैं सोचता हूं कि वहां से होकर जाएं। या मुझे वहां आना होगा... [एक भाई कहता है, "नहीं।"—सम्पा।] मैं नहीं कर पाऊंगा। ["यहां इस तरफ से आ जाए।"] *इस* तरफ से यहां पर, इस तरफ से होकर बाहर आ सकते हैं, वहां इस तरफ से, वे लोग जिनके पास प्रार्थना कार्ड हैं।

201 और अब यदि आप में से किसी को जाना ही है, तो यह... मुझसे देर हो गई। मुझे क्षमा करे। मैं कल रात को थोड़ा और बेहतर करने की कोशिश करूंगा। पर... दीवार पर लगी घड़ी के अनुसार, दस बजकर दस मिनट हो गए है। आज रात आपकी उपस्थिति के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद, और होने पाए स्वर्ग का परमेश्वर आपको आशीष दे। यदि आप रुककर और प्रार्थना पंक्ति देखना चाहते हैं, तो आपका हमेशा ही स्वागत है। लेकिन अब हम बीमारों के लिए प्रार्थना करना आरंभ करेंगे, और मैं और यदि आप रुकना न चाहते है तो मैं आपको रोकना नहीं चाहूंगा। आप प्रभु यीशु के नाम में जाने के लिए स्वतंत्र हैं। होने पाए परमेश्वर की शांति आपके साथ रहे और आपको आशीष मिले, और सारी रात भर, आपके शरीर को विश्राम दे, और आपको अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करें जिससे कि आप कल रात को फिर से वापस आ सकें। अब परमेश्वर आपके साथ हो।

202 और जिनके पास प्रार्थना कार्ड है, वे अब प्रार्थना के लिए खड़े हो जाए, जैसा कि हम हर जगह के लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं। अब हम चाहते हैं कि आप जान ले, अब, आप जो प्रार्थना कार्ड के साथ खड़े हुए हैं, क्या

आपके जीवन में कोई संदेह है? क्या कोई संदेह है, मुझे क्षमा करें, आपके जीवन में कोई पाप है जिसे आपने स्वीकार नहीं किया है? यदि ऐसा है, तो मैं आपसे यह पूछना चाहता हूं। अपने ह्रदय में बिना स्वीकार किए पाप के साथ प्रार्थना पंक्ति में ना आये। क्योंकि, आपको अवश्य ही... यह बच्चों की रोटी है, देखो। और यदि आप एक मसीही नहीं हैं, तो अपने जीवन को मसीह को समर्पित करें, उसके बाद प्रार्थना पंक्ति में आये। यह विश्वासी लोगों के लिए है। क्या आप इसे करेंगे? पहले उसे अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें, और उसके बाद प्रार्थना करवाने के लिए मंच पर आ जाए।

203 अब मैं प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रार्थना करने जा रहा हूं; ना ही उन्हें ऐसे वहां से होकर गुजरना है, जैसे किसी प्रकार का एक नित्य–नियम हो। हम अब एक कलीसिया में हैं। मैं सोचता हूं बहन व्याट ने हमें एक विचार दिया है कि हम यहाँ रुककर और प्रार्थना कर सकते हैं। [एक भाई कहता है, "हाँ, सारी रात भर, जब तक आप चाहे।"—सम्पा।] हम जब तक चाहें तब तक रुक सकते हैं। और मैं बहन व्याट और यहां के कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं, हमें ऐसा करने दिया। परमेश्वर बहन को आशीष दे। उसका साहसी पति इस मंच पर खड़ा होता था, उसने बीमारों के लिए प्रार्थना की, उसकी मृत्यु तक, जहां तक मैं जानता हूं, क्रूस का एक सच्चा योद्धा। और अब मैं उसी चीज को करते रहने की कोशिश कर रहा हूं, इन लोगों को आशीष देता रहूं।

204 और अब मैं प्रार्थना करता हूं कि आप में से हर एक जन यहां से होते हुए आगे बढे... आपको कुछ भी स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है जो आप चाहते हैं। आपको यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि आपके साथ क्या समस्या है। बस आये और मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा, और विश्वास करे।

205 क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने मुझे ऐसा करने के लिए भेजा है? अपना हाथ ऊपर उठाए। याद है प्रभु के दूत ने क्या कहा था? "यदि तुम लोगों को अपने ऊपर विश्वास करने के लिए लगाते हो, तो प्रार्थना करते समय सच्चे बने रहना, तुम्हारी प्रार्थना के सामने कुछ भी टिक नहीं सकेगा।" और आप जानते हैं कि यह सच है। यह बार–बार और बार–बार साबित हुआ है।

अब मैं पूछने जा रहा हूं कि हमारी बहन रोज, यदि वह चाहे तो, इस

गीत को बजाये कि, *केवल विश्वास करो*, या, *वो महान चिकित्सक अब निकट है*, या कुछ तो और।

206 मैं चाहता हूं कि आप में से हर एक जन अब मेरे साथ संगति में—में हो। क्या आप भी करेंगे, आप लोग जो प्रार्थना पंक्ति में नहीं है, क्या आप इन लोगों के लिए प्रार्थना करेंगे? तो ठीक है, उनसे प्रतिज्ञा करें कि, अपना हाथ ऊपर उठाते हुए, "मैं प्रार्थना करूंगा, देखो। हम सब प्रार्थना करेंगे।" तो ठीक है। जी हां।

मैं चाहता हूं कि आप, यदि आपको छोड़कर जाना है, तो अब बहुत ही शांति से जाए, ताकि जब हम प्रार्थना करें तो उन्हें परेशानी न हों।

क्या आप विश्वास करती है कि यह अब ख़त्म हो जाएगा, बहन? [बहन कहती है, "अपने पूरे ह्रदय से।"—सम्पा।]

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथ बहन पर रखता हूं, उसके शरीर के कष्ट को चुनौती देता हूं। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए यह उसे छोड़ दे। आमीन।

आपको आशीष मिले, बहन।

क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती हैं? आपके सारे पापों को स्वीकार करती है? आप, जहाँ तक आपको पता हैं, आप अपनी चंगाई को प्राप्त करने के लिए तैयार हैं?

207 प्रिय परमेश्वर, मैं आपके पुत्र यीशु मसीह के नाम में अपनी बहन पर अपने हाथों को रखता हूँ। और यीशु के नाम में मांगता हूं कि उसके शरीर की पीड़ा चली जाएगी। आमीन।

सारे पापों को स्वीकार कर लिए गया हैं, और आप अपनी चंगाई के लिए तैयार हैं? भाई, आप विश्वास करते हैं? [भाई कहता है, "मैं अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं।"—सम्पा।]

208 प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथ अपने भाई पर रखता हूं, जैसा कि हम जानते हैं कि आप यहां उपस्थित हैं, प्रभु। मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप उसे चंगा करेंगे, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

सारे पापों को स्वीकार किया है? नहीं, आप सुन नहीं सकती। क्या आप विश्वास करती हैं कि आप सुनेगी? [बहन कहती है, "मैं विश्वास करती हूं। लेकिन मैं बहरी हो गई हूं।"—सम्पा।] आप विश्वास करती हैं।

यह महिला अब बहरी है। हम अब प्रार्थना करेंगे।

209 प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी बहन को चंगा करेंगे, और उसका बहरापन दूर करेंगे। वह एक बंद दुनिया में बैठी हुई है, जहां वह सुन नहीं सकती। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे यीशु के नाम में से होते हुए चंगाई को प्रदान करेंगे।

210 मैं लोगों से एक मिनट के लिए अपने सिर को झुकाने के लिए कहना चाहता हूं। मैं देखना चाहता हूं कि उसके साथ क्या हुआ। अब, कृपया, यीशु मसीह के नाम में, कोई भी अपना सिर या आंखें ऊपर ना उठाए। अब, आपको ऐसा नहीं करना है जब तक मैं आपको न कहूँ।

211 क्या अब आप मुझे सुन सकती हैं? [बहन कहती है, "कुछ विकृत है।" भाई ब्रन्हम एक बार ताली बजाते हैं। "मैं आपको सुन सकती हूं।"—सम्पा।] मुझे सुना? ["कुछ–कुछ।"] सुन सकती हैं? वह अब सुन सकती है। [भाई ब्रन्हम एक बार फिर ताली बजाते हैं।] देखा? वो आवाज सुनी?

212 अब आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे। क्या आप करेंगी? और आप विश्वास करे, और परमेश्वर आपको पूरी तरह से चंगा कर देगा। उसने कहा... मैंने बस प्रार्थना की और अपने हाथों को उसके कानों पर रखा, और उसने कहा कि वह कुछ तो सुन सकती है। तो ठीक है, बस आगे बढ़ते रहे, यह विश्वास करते हुए कि आप ठीक से सुनने जा रही हैं, और आप सुनेगी।

क्या आपने सभी पाप स्वीकार किये है, बहन? [बहन कहती है, "जी हां।"—सम्पा।] क्या आप अपनी चंगाई के लिए तैयार हैं? ["जी हां।"]

213 प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथों को अपनी बहन पर रखता हूं, यह जानते हुए कि हम में कोई अच्छी बात नहीं है, अपने आप में। लेकिन हम जानते हैं कि हम मसीही हैं, जो परमेश्वर की आत्मा से जन्मे हैं। और हम अपनी बहन पर हाथ रखते हैं और यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए मांगते हैं। आमीन।

214 अब आप विश्वास करती हैं कि आप चंगी होने जा रही हैं? [बहन कहती है, "अच्छी तरह से।"—सम्पा।] तो ठीक है, अब आप—आप चंगी हो गई हैं। इसे करने का यही तरीका है। यह सही है। सही है।

215 आपने सारे पापों को स्वीकार किया है? [बहन कहती है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] और आप अपनी चंगाई के लिए तैयार हैं? ["जी

हां।"] आप विश्वास करती हैं, हाथ रखने के द्वारा, कि परमेश्वर जो लोगों के ह्रदय को जानता है, आपको चंगा करेगा? ["मैं करती हूं।"]

216 हमारे स्वर्गीय पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी बहन को चंगा करेंगे, जैसा कि हम अपने हाथों को उस पर रखते हैं और यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं कि आप उसे चंगा कर देंगे। आमीन।

217 आप कैसे हो? निश्चय ही, आप जानते हैं कि मैं जानता हूं कि आपके साथ क्या समस्या है। लेकिन मैं बस इसे नहीं बता रहा हूं; क्योंकि, आप जानते है, यह—यह बस आगे चलता ही रहेगा और चलता ही रहेगा। लेकिन यदि आप... क्या आपने सभी पापों को स्वीकार किया है? [बहन कहती है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] और आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? ["जी हां, श्रीमान।"] क्या आप विश्वास करती हैं कि गठिया... मैंने इसे कह दिया है।

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसकी मदद करेंगे और उसे चंगा करेंगे। इसे प्रदान करें, यीशु के नाम में।

आप अपंग नहीं होंगी। जाए, अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे।

218 क्या आपको विश्वास हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? [बहन कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] सभी पाप स्वीकार किए हैं और आप अपनी चंगाई के लिए तैयार हैं? आप विश्वास करती हैं कि आपकी पीठ ठीक हो जाएगी?

प्रिय स्वर्गीय पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे चंगा करेंगे और उसे स्वस्थ करेंगे। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए ये ऐसा ही हो। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। जाए, अब विश्वास करते हुए।

क्या आपने सभी पापों को स्वीकार किया है, बहन, आप अपनी चंगाई के लिए तैयार हैं?

प्रिय परमेश्वर, वह कहती है, उसने पापों को स्वीकार किया है। मैं अपने हाथों को इस महिला पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए मांगता हूं। आमीन।

219 क्या सभी पाप को स्वीकार किया हैं? आप अवश्य ही सही कह रही होगी, आप बहुत बीमार हैं, आप यह जानती हैं। आप जानती हैं कि मैं जानता हूं कि आपके साथ क्या गलत है। और क्या आप विश्वास करती हैं

कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा, आपके ह्रदय को चंगा करेगा और आपको पूरी तरह से ठीक करेगा?

प्रिय परमेश्वर, मैं यीशु मसीह के नाम में प्रार्थना करता हूं कि आप उसे चंगा करेंगे और उसे स्वस्थ करेंगे। पिता, यीशु के नाम में, होने पाए यह उसे छोड़ दे। आमीन।

परमेश्वर अब आपको आशीष दे। संदेह ना करें। जाए, विश्वास करते हुए।

सारे पापों को स्वीकार किया है? आप चंगाई के लिए तैयार है?

प्रिय स्वर्गीय पिता, मैं अपने हाथों को अपनी बहन पर रखता हूं। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए वह चंगी हो जाए। आमीन।

संदेह ना करें। जाए, विश्वास करते हुए।

सभी पापों को स्वीकार किया है, क्या आप चंगाई के लिए तैयार हैं?

220 प्रिय स्वर्गीय पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारे भाई को चंगा करेंगे, उसे स्वस्थ करें। इसे प्रदान करे, पिता। मैं इस उद्देश्य के लिए, यीशु मसीह के नाम में, उस पर अपने हाथों को रखता हूं। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं।

क्या अब आप विश्वास कर रही है, बहन? सारे पाप को स्वीकार किया हैं और आप चंगाई के लिए तैयार हैं?

प्रिय परमेश्वर, मैं यीशु मसीह के नाम में, अपने हाथों को बहन पर रखता हूं, होने पाए वह आपकी महिमा के लिए चंगी हो जाए। आमीन।

221 अब बस इस तरह से बहुत सी बार, बस एक स्पर्श, जैसा कि यीशु ने कहा, “ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। यदि वे अपने हाथ बीमारों पर रखें।” मैंने सभाओं में यह ध्यान दिया है कि इसका प्रभाव लगभग पचास प्रतिशत अधिक होता है बजाय इसके कि लोगों को पंक्ति में बुलाकर उनके बारे में विचारों को परखा जाए पहचान की जाए, क्योंकि उस तरह से आप केवल कुछ ही लोगों को ले पाते हैं। और, इस तरह से, कई और लोग भी चंगाई को पाते हैं।

222 क्या आपने अपने सभी अविश्वास के पापों को और हर एक चीज को स्वीकार किया है? अब आप विश्वास करती हैं कि आप चंगी होने जा रही हैं? [बहन कहती है, "जी हां, और छुड़ाई गई हूं।"—सम्पा।]

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी बहन को चंगा करेंगे जब मैं उसके हाथों को पकड़ता हूं और यीशु मसीह के नाम में उसकी चंगाई के लिए मांगते है। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

क्या आप अब विश्वास करती हैं? [बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] सभी पाप स्वीकार कर किए हैं? ["हां।"]

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथों को हमारी बहन पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

ऐसा लगता है एक बहुत ही छोटी चीज है, लेकिन यह परमेश्वर है जिसने इसकी प्रतिज्ञा की है।

पापों को स्वीकार किया है?

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी इस बहन को चंगा करेंगे। जैसा कि मैं यीशु मसीह के नाम में उस पर हाथों को रखता हूं, होने पाए वह जाए और चंगी हो जाए। आमीन।

पापों को स्वीकार किया है?

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी बहन को चंगा करे, जैसा कि मैं उस पर हाथों को रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

अब जैसा आप यांत्रिकी के साथ आते हैं, होने पाए यह गतिकी पर प्रभाव डाले, तो यह काम करने लगेगा।

पापों को स्वीकार किया है? [बहन उत्तर देती है—सम्पा।] आप तैयार है।

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे चंगा करें और उसे स्वस्थ करें, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

सभी पापों को स्वीकार किया है? [बहन कहती है, "सब कुछ।"—सम्पा।]

प्रिय परमेश्वर, जब यह महिला मेरी आंखों की ओर देखती है, मैं यह विश्वास करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे यीशु के नाम में चंगा करेंगे।

223 आप अभी उसे लेकर आ रही है, क्या आप ला रही है, बहन? आप उसे अभी ला रही है? तो ठीक है। बहन, आप विश्वास करती है, कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? [बहन कहती है, "मैं विश्वास करती हूं कि परमेश्वर फिर से मुझे आंखों की रोशनी दे सकता है।"—सम्पा।] परमेश्वर आपको आशीष दे।

224 स्वर्गीय पिता, आप हमेशा ही अंधे, और जरूरतमंदों के लिए दयालु रहे हैं। अब उन्होंने देख लिया है कि आपने आज रात क्या किया है। इसलिए हम विश्वास करते हैं, प्रभु, यह महान अंतिम चिन्ह अब हमारे बीच कार्य कर रहा है। मैं इस अंधी महिला की आँखों की रोशनी के लिए मांगता हूं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

अब, अब हमें रिपोर्ट दे। इसकी रिपोर्ट दे।

[एक बहन भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।] ओह, हाँ, आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? ["हाल्लेलुय्या!"]

प्रिय स्वर्गीय पिता, मैं अपने हाथों को हमारी बहन पर रखता हूं और मांगता हूं कि आप उसे यीशु मसीह के नाम में चंगा करें। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। हम सुनेंगे कि आपकी स्थिति कैसी हैं।

क्या आप विश्वास करती है, बहन? [बहन कहती है, "हां, मैं करती हूं।"—सम्पा।]

हे प्रिय स्वर्गीय पिता, मैं हमारी बहन के लिए प्रार्थना करता हूं, भरोसा करते हुए कि अब आप उसे चंगा करेंगे। मैं अपने हाथों को उस पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में।

अब विश्वास करें। यह सही है। बस विश्वास करते हुए जाए।

क्या आप विश्वास करते हैं, भाई? [भाई कहता है, "जी हां।"—सम्पा।] क्या सभी पापों को स्वीकार किया है?

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारे भाई को ठीक करेंगे और उसे यीशु मसीह के नाम में चंगा करेंगे। आमीन।

आप विश्वास करती है, बहन?

225 हे परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि, यीशु मसीह के नाम में, नम्रता से, इस समय की मधुरता और विनम्रता में, होने पाए पवित्र आत्मा इस महिला को चंगा करे। [बहन कहती है, "और मैं प्रार्थना करती हूं, अपने बेटे के लिए प्रार्थना करती हूं। मैंने उसे बीस वर्षों से नहीं देखा है।"—सम्पा।] मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आपके बेटे को आपके पास भेजे, बहन, प्रिय। परमेश्वर आपको आशीष दे।

प्रिय पिता, मैं हमारी बहन के लिए यहां प्रार्थना करता हूं। पवित्र आत्मा की मधुरता में, होने पाए वह अभी आ जाये और हमारी बहन को चंगा करे, यीशु के नाम में। आमीन।

आपको आशीष दे, बहन।

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने भाई के लिए प्रार्थना करता हूं, जैसा कि वह यहां खड़ा हुआ है और मैं उस पर हाथों को रखता हूं, और उसकी चंगाई के लिए मांगता हूं, यीशु के नाम में।

आपको आशीष दे, मेरे भाई। तो ठीक है।

छोटा लड़का?

प्रिय परमेश्वर, उस छोटे बच्चे पर हाथ रखते हुए, मैं उसे यीशु मसीह के नाम में आशीषित करता हूं, उसकी चंगाई के लिए।

अब आप विश्वास करती है, बहन? [बहन कहती है, "जी हां।"—सम्पा।] क्या आप भी प्रार्थना करवाना चाहती हैं?

226 प्रिय परमेश्वर, मैं उसके लिए प्रार्थना करता हूं, जैसे मैं उस पर हाथों को रखता हूं। अब, यह आपका आदेश है, यही है जो आपने कहा है, "विश्वास करने वालों के ये चिन्ह होंगे। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" आपने यह कहा, प्रभु। आमीन।

अब, उसने यह कहा, क्या उसने नहीं कहा? यह इसी तरह से होना है, बहन।

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी बहन को चंगा करें और उसे स्वस्थ करें, यीशु मसीह के नाम में। आमीन। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

बहन, आप विश्वास करती हुई आई है?

227 प्रिय स्वर्गीय पिता, मैं हमारी बहन पर आपकी आशीषों को मांगता हूं, बस आपने जो कहा है उस आज्ञा का पालन करते हुए। आपने कहा, “ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे,” आपने कहा, “वे चंगे हो जायेंगे।”

228 होने पाए कि मैं यहां कुछ क्षण रुककर कहना चाहता हूं, कि बस लोगों को कुछ क्षण के लिए विश्राम करने दे, बस कुछ क्षण के लिए। एक बार एक आलोचक ने मुझसे कहा था, यह ऐसा नहीं है। लेकिन, आप देखे, उसने कहा, “ये चिन्ह साथ–साथ जायेंगे।”

229 आपने मेरा संदेश *मुकदमा* सुना है, यीशु को मुकदमे पर रखते हुए। देखो, उसने नूह को बताया, “बारिश होने वाली है।” एक सौ बीस वर्षों तक कभी भी बारिश नहीं हुई, लेकिन किसी भी तरह बारिश हुई। उसने अब्राहम से कहा कि साराह से उसको एक पुत्र होगा। यह पच्चीस वर्ष बाद हुआ। उसने कभी नहीं बताया कि कब होगा। उसने कहा कि उनके पास पुत्र होगा। पच्चीस वर्ष बाद, ऐसा हुआ। देखो, उसने यह नहीं बताया कि कब होगा।

230 उसने कहा, “विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाएगी। परमेश्वर उन्हें उठा कर खड़ा करेगा। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।” क्या उसने यही कहा था? उसने यह नहीं कहा कि वे उछलकर और इसे ठीक तभी करेंगे। उसने कहा, “वे चंगे हो जाएंगे।” देखो, यह उसकी प्रतिज्ञा है। यही है जो हम विश्वास करते हैं।

आओ, बहन। क्या आप विश्वास करती हैं कि यह सत्य है? [बहन कहती है, “हां, मैं करती हूं।”—सम्पा।] तब आपको चंगा होने से रोकने का कोई तरीका नहीं है।

मैं अपने हाथों को बहन पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए। आमीन।

क्या आप विश्वास करती है, बहन? [बहन कहती है, “हां।”—सम्पा।] सारे पापों को स्वीकार कर लिया है, और तैयार है?

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथों को बहन पर रखता हूं, आपकी आज्ञा के अनुसार, और यीशु के नाम में, उसकी चंगाई के लिए मांगता हूं। आमीन।

231 मैं आपसे चाहता हूं कि जिसके लिए प्रार्थना की जा रही है, मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए एक काम करें। मैं चाहता हूं कि आप रिपोर्ट दे, इससे पहले कि ये सभाये समाप्त हो, क्या हुआ; और बस श्रोतागण को, अन्य लोगों को यह देखने दो कि वास्तव में क्या बात जगह लेती है। हो सकता है आने वाले कल, उसके अगले दिन, या कभी भी, आप बस ध्यान देना कि बात जगह लेती है।

232 मेरे पास आने वाले पत्रों से यह पता चला है कि यह—यह केवल लोगों को अपने विश्वास को परखने, जांचने देने से कहीं अधिक भिन्न है। क्योंकि, यीशु ने कहा, "वे उन पर हाथों को रखेंगे। वे उन पर हाथों को रखेंगे, वे चंगे हो जाएंगे।" अब इस बात को पकड़े जो उसने कहा। उसने यह नहीं कहा कि वे कूदेंगे और फर्श पर ऊपर-नीचे दौड़ेंगे। वे ऐसा कर सकते है। लेकिन उसने कहा, "वे चंगे हो जायेंगे।" क्या उसने यही कहा? यही है जो उसने कहा। यही है जो मैं विश्वास करता हूं। और वो अब यहां है, वो एक जिसने कहा कि वचन यहां पर है कि इसे वैसा ही बनाये।

आप विश्वास करते हैं, श्रीमान? [भाई कहता है, "आमीन।"—सम्पा।]

प्रिय स्वर्गीय पिता, उसके विश्वास के अंगीकार करने पर और भरोसा करते हुए, मैं यीशु मसीह के नाम पर, उसकी चंगाई के लिए अपने हाथ उस पर रखता हूँ।

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथों को इस महिला पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए। तो ठीक है।

प्रिय पिता, मैं अपने हाथों को इस महिला पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए। आपने कहा, "वह चंगी हो जाएगी।"

चंगाई के लिए तैयार है, बहन?

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथों को उस पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, कि आप उसे चंगा करेंगे।

ठीक है, बहन, प्रिय, हर एक चीज चंगाई के लिए तैयार है? आपके विश्वास का अब उत्तर मिल चूका है, आपको विश्वास हैं कि आप चंगी होने

जा रही हैं?

233 और, परमेश्वर, मैं अपने हाथों को उस पर रखता हूं, आपकी आज्ञा का पालन करते हुए, “सारे संसार के लिए, हर एक सृष्टी के लिए।” मैं उस पर हाथों को रखता हूं, यीशु के नाम में, उसकी चंगाई के लिए।

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने भाई के चंगाई के लिए, यीशु मसीह के नाम में, अपने हाथ उस पर रखता हूँ।

प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथों को अपनी बहन पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए।

[टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... गलियारे से नीचे जाते हुए। मैं बस आपको थकाना नहीं चाहता था। यदि आप अब इसका विश्वास करेंगे तो आप ठीक हो जाएंगे।

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मेरी बहन को यीशु मसीह के नाम में चंगा करे। आमीन।

[टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... मुझे इन लोगों के लिए प्रार्थना करने में मेरी मदद करें।

234 अब हमारे पास यहां कुछ रुमाल है, और इत्यादि यहाँ पर है, जिनके ऊपर प्रार्थना की जानी है। और मैं चाहता हूं कि आप मेरे साथ प्रार्थना करना जारी रखें, अब, अब, ये छोटे–छोटे पार्सल है, अब। मैं जानता हूं कि लोगों का इस तरह की छोटी सी चीज के लिए प्रार्थना करना बहुत ही अजीब सा लगता है। लेकिन यदि आप केवल एक बार मेरे ऑफिस में आ सकते है, और बस ध्यान दें। अगर हमने इतने सालों में मिली गवाहियों को संभाल कर रखा होता, तो शायद यह मंच भी उन्हें रखने के लिए छोटा पड़ जाता, जो केवल इस प्रकार से प्रार्थना के वस्त्रों को भेजने के द्वारा चंगे हुए हैं, उनमें से लाखों लोग, हर कहीं और दुनिया भर में। अब, आप जानते हैं कि यह क्या है—है?

कोई तो वहां उस रूमाल को ले आए, उस—उस युवा के लिए... आपको अपना रूमाल तो पता होगा, क्या आपको पता है, भाई? तो ठीक है।

235 और मैंने छोटे, अपाहिज बच्चों को चंगा होते देखा है। और आप देखिए, यह क्या है, यह बस संपर्क का एक माध्यम है, जैसा कि ओरल रॉबर्ट्स

हमेशा कहा करते है। यह तो बस संपर्क का एक माध्यम है। हम प्रार्थना करते हैं। अब, हम यह स्वयं से नहीं करते हैं, हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि बाईबल हमें ऐसा करने के लिए आदेश देता है। हम सब जानते हैं कि यह सच है।

236 अब, ऐसे कई लोग हैं जो रुमालों और इत्यादि चीजों का अभिषेक करते हैं। तो ठीक है, अब, हम सोचते हैं कि यह ठीक है, निश्चय ही, लेकिन यदि हम बस... बाईबल में यह नहीं कहा गया कि उन्होंने रूमालों को "अभिषेक" किया।

237 "लेकिन उन्होंने पौलुस के शरीर से रुमाल को लिया।" अब देखा मैं किस विषय में बात कर रहा था? अब, उन्होंने जो देखा, वह जिलाने वाली सामर्थ जो पौलुस में थी, जिससे वे जान गए कि वह परमेश्वर का दास था। वे जानते थे कि परमेश्वर उसमें था। वे जानते थे कि जिस किसी चीज को वह छुता है वह आशीषित हो जाती है। कितने लोग इसे समझ रहे हैं? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

238 आप जानते हैं, मैं सोचता हूं कि पौलुस ने जो किया वह पूरी तरह से वचन के अनुसार था। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? क्या आप चाहते हैं कि मैं आपको बताऊँ कि मेरे विचार में उसे यह करने का विचार कहाँ से मिला? [कोई कहता है, "एलीशा से।"—सम्पा।] एलीशा से, यह सही है। देखो, एलिय्याह ने कहा, "इस छड़ी को ले और जाकर इसे बच्चे पर रख दे।" और भविष्यवक्ता ने छड़ी को भेजा क्योंकि वह जानता था कि हर एक चीज जिसे उसने छुआ वह आशीषित थी। वह अपने स्थान को जानता था। वह... यदि वह स्त्री को उसी चीज पर विश्वास करवा सकता है।

अब देखो, अब, बाईबल ने कभी नहीं कहा, "वे बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे।" इसने कहा, "वे बीमारों पर हाथ रखेंगे।"

239 अब जरा सोचिए, लोगों ने देखा, प्रेरित पतरस में, परमेश्वर की उपस्थिति इस मनुष्य में प्रकट हुई, यहां तक कि उन्होंने—उन्होंने लोगों को उसकी छाया में लिटा दिया, और वे चंगे हो गए। कितने लोग जानते हैं कि यह वचन के अनुसार है? यह बस उतना ही वचन के अनुसार है जितना कि यूहन्ना 3:16। देखो, यह सब परमेश्वर का वचन है। अब, लोग, आप जानते हैं कि उस मनुष्य की छाया ने लोगों को चंगा नहीं किया।

240 लेकिन, देखो, यदि परमेश्वर की सामर्थ उस भविष्यव्यक्ता के ऊपर

थी, उसके मरने के वर्षों और वर्षों बाद तक बनी रही, इतना तक कि एक मरे हुए मनुष्य को उसके शरीर, उसकी हड्डियों पर फेंका गया था। शरीर वहां पर था ही नहीं; वहां पर हड्डियां थी। और परमेश्वर की उपस्थिति उन हड्डियों पर थी, यहाँ तक कि वह मरा हुआ मनुष्य भी जीवित हो गया।

241 अब क्या आप नहीं जानते कि वही परमेश्वर जिसने उन सारी चीजों को किया ठीक आज रात यहाँ पर है? मेरे लिए—मेरे लिए, मैं सोचता हूं कि हमें सारी दुनिया में सबसे ज्यादा खुश लोग होना चाहिए। जरा इस पर सोचे।

242 मैं—मैं आशा करता हूं कि मैंने अपने श्रोतागण को यह विश्वास करने के लिए प्रभावित नहीं किया है कि यह कुछ तो है जो मैं अपने आप से करता हूं। आप—आप इससे बेहतर जानते है। मैं, मैं आपका भाई हूं, देखो, और मैं तो केवल आपका भाई हूं।

243 लेकिन मैं जानता हूं, मैं यह जानता हूं, कि परमेश्वर यहां पर है। और मैं जानता हूं कि उसने हमें कुछ तो दिया है, कि हम इसे समझा नहीं कर सकते है, केवल परमेश्वर के वचन के द्वारा, दावा करते हैं कि इसे इस समय यहां पर होना चाहिए। इसलिए, यह हमें पहचान भी देता है कि जान जाए हम अंतिम दिनों में रह रहे हैं। यह हमें यह जानने के लिए पहचान देता है कि ये लोग, ये चुने हुए, निर्वाचित, बाहर बुलाए हुए, पहले से ठहराये हुए...

244 अब, यह एक बड़ा शब्द है, *पहले से ठहराया जाना,* लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह सत्य है। हम पूरी तरह से जानते हैं कि अनंत परमेश्वर ने सारी चीजों को अपने पूर्व ज्ञान के द्वारा दुनिया की नींव डालने से पहले ठहराया है, यहां तक कि मेमने को भी घात किया गया था; और हर एक वह नाम जो कभी किताब में होगा, किताब के लिखे जाने से पहले ही किताब में डाला गया था। अब कितने लोग जानते हैं कि यह सच है?

245 और यीशु उन लोगों को छुड़ाने के लिए—के लिए आया जो किताब में थे। बाईबल में, मेम्ना पर्दे के पीछे से आया, और किताब को लिया और मोहरों को खोला जिससे यह किताब मोहरबंद थी, क्योंकि वह उन सभी का दावा करने के लिए आया जिन्हें उसने छुड़ाया था। वह अब बिचवाई करने वाला है, एक बिचवाई करने वाला जो उन लोगों के लिए बिचवाई के काम को कर रहा है, जिन्हें उसने छुड़ाया है। वे सब जिनके नाम मेमने की

जीवन की किताब में लिखे गए थे, ये छुड़ाये गए हैं।

246 जैसा कि मैंने उस रात को एक छोटी सी बात कही थी... मैं प्रतीक्षा कर रहा हूं... यहां इन सभी रूमालों के लिए। मैं बस फिर से प्रचार करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, लेकिन मैंने कहा कि एक छोटी सी बात कही थी... मैं आशा करता हूं कि यह अपवित्र सा नहीं लगता है, देखो। लेकिन उस किसान की तरह जिसने मुर्गी को रखा, और उसके पास पर्याप्त अंडे नहीं थे, इसलिए उसके पास एक उकाब का अंडा था, और उसने उसे मुर्गी के नीचे रख दिया और उसने एक उकाब को सेनकर अंडे से बाहर निकाला। और वह सभी मुर्गियों के बीच एक बहुत ही विचित्र सा पक्षी था, क्योंकि वे चीजों को एक जैसा नहीं देखते थे। लेकिन उसने तो हमेशा केवल मुर्गी ही देखी थी। उसने बस एक ही आवाज़ सुनी थी, यह उसकी अपनी आवाज़ जैसी नहीं लगती थी। ना ही वह मुर्गी की तरह आवाज को निकाल सकता था या उन चूजों की तरह। उसने उनके भोजन की सराहना नहीं की, जैसा कि वे खलियान में खाते थे। उसमें कुछ तो अलग ही बात थी, फिर भी वह नहीं जानता था कि वह अंतर क्या है।

247 और फिर एक दिन, वहां उकाब की मां आई वह जानती थी कि उसने बहुत से अंडे दिए हैं। और वहां उनमें से एक अंडा था, जो उसका होने वाला पुत्र था, वो गुम हो गया था। इसलिए वह उसे ढूंढने को निकली और उसने उसे खलिहान में पाया। और वह चिल्लाई। और जब वह चिल्लाई, तो छोटे उकाब ने अपनी मां की आवाज पहचान ली। जैसा कि यीशु ने कहा, “मेरी भेड़ मेरी आवाज को पहचानती है।”

248 मैं सोचता हूं, कल रात, जब मैंने बैपटिस्ट के उस विशेष समूह को देखा, प्रेस्बिटेरियन, और यह जो भी है, हो सकता है उन्हें मुर्गी के नीचे से बाहर लाया गया हो। मुझे क्षमा करें, भाई, देखिये। लेकिन माँ जानती थी कि उसके पास उसके प्रिय जन कहीं तो बाहर है। इसलिए वे लोग वहां खड़े हुए थे, वे कोई विवाद नहीं कर रहे थे, जो उन्हें मां मुर्गी खिला रही थी, और इत्यादि, लेकिन अब वे उकाब हैं, आप देखिए, वे अपने भोजन के लिए उड़ते हैं। समझे?

249 और मैं सोचता हूं कि कलीसिया कुछ तो उसी दृश्य के समान है जिसे मैंने ज्यादा समय नही हुआ ट्यूसान से आते हुए देखा था, या फिनिक्स से—से, ट्यूसान जाते हुए। मैंने एक रहस्यमयी दृश्य देखा। और जो कुछ

हुआ था, इसे देखकर एक प्रकार से मेरा ह्रदय टूट गया, कैसे... एक बाज, जो हवा में उड़ता रहता है, उकाब का भाई, जो कि कलीसिया का एक नमूना है।

और यहोवा उकाब है। उसने अपने भविष्यवक्ताओं को "उकाब" कहा। उसने स्वयं को यहोवा कहा, "उकाब।"

250 लेकिन इस बाज़ ने बहुत पहले ही अपनी पहचान को खो दिया है, क्योंकि अब यह वैसे आकाश में उड़कर अपना शिकार नहीं करता जैसा इसे करना चाहिए। लेकिन यह टेलीफोन के तारों पर बैठता है और एक मुर्दाखोर पक्षी के जैसे व्यवहार करता है। वह—वह मरे हुए खरगोशों का शिकार करता है, जिन्हें कार ने कुचल कर मार दिया है, और वो और गिद्ध वहां जाते हैं और एक साथ खाते हैं। वह गिद्ध की तरह उछलता है, न कि वैसे चलता है जैसे उसे चलना चाहिए। उसने अपनी पहचान खो दी है।

251 और मैं इसे पूरे ईश्वरीय प्रेम और आदर के साथ कहता हूं, कलीसिया ने बहुत पहले ही एक बहन उकाब के रूप में अपनी पहचान को खो दिया है। वह इधर–उधर बैठती है। बजाए इसके कि वचन में गहराई से खोजबीन करें और देखें कि क्या ये बातें सही हैं, वह संडे स्कूल के साहित्य के झुण्ड की प्रतीक्षा कर रही है, जो कहीं तो बुद्धिजीवियों के झुण्ड के द्वारा बनाया गया है, कुछ मरे हुए खरगोश जिसे कहीं तो और मारा गया है। एक गिद्ध की तरह उछलता है! परमेश्वर हमारी मदद करे कि हम इससे उड़कर दूर चले जाए।

ये प्रतिज्ञाएं सच्ची हैं। ना ही किसी ने उनके बारे में क्या कहा, लेकिन परमेश्वर ने उनके बारे में क्या कहा! वे सच्चे हैं। मुझे उकाब के साथ जुड़कर बहुत खुशी है।

आइए हम सब मिलकर हमारे बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करें।

252 प्रिय स्वर्गीय पिता, यह बाईबल में सिखाया गया है कि उन्होंने पौलुस के शरीर से रुमाल और वस्त्र को लिया, और दुष्ट आत्माये लोगों में से निकल गई, और अशुद्ध आत्माएं उन्हें छोड़कर चली गयी। अब, पिता, मैं यहां इन रूमालों के ऊपर खड़ा हूं, ये हर एक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता हूं जो उपस्थित है। यह हम सब एक साथ मसीह का शरीर है। हम अनुग्रह और प्रेम के द्वारा यह दावा कर रहे हैं, कि हम यहां उसकी दुल्हन का प्रतिनिधित्व करने के लिए हैं, और विश्वास करते हुए, उसके राज्य में

उसके साथ संगी हैं। और हम जानते हैं कि हम संत पौलुस नहीं हैं, लेकिन हम जानते हैं कि आप अभी भी यीशु हैं।

253 और हम प्रार्थना करते हैं कि आप इन लोगों के विश्वास का आदर करेंगे। यदि वे पहले पौलुस के दिनों में रहते, तो उन्होंने यही सुसमाचार को सुना होता, इन्हीं चीजों को देखा होता। इसलिए, वे उसी तरह के लोग हैं। आप वही परमेश्वर है। इसलिए मैं प्रार्थना करता हूं, प्रिय परमेश्वर, कि आप उनके विश्वास का आदर करें, जैसे आपने बाईबल के दिनों में किया था। और होने पाए हर दुष्ट शक्ति, हर एक बीमारी, हर एक पीड़ा, जिससे लोग बंधे हुए है जो ये रूमाल और पार्सल यहां प्रतिनिधित्व करते हैं, होने पाए बीमारी की वह दुष्ट शक्ति उन्हें छोड़ दे।

254 यह एक समय कहा गया था, कि इस्राएल अपने कर्तव्य की पंक्ति में चल रहा था, एक प्रतिज्ञा के देश की ओर। और ठीक कर्तव्य की पंक्ति में, शत्रु ने आकर और उन्हें एक कोने में घेर लिया, और लाल सागर उनके सामने आकर उनके कर्तव्य की पंक्ति से रोक दिया, जब वे आगे बढ़ रहे थे। और परमेश्वर ने स्वर्ग से नीचे की ओर देखा, अग्नि के स्तंभ में से होते हुए, और समुद्र डर गया। उसने इसकी लहरों को पीछे हटा लिया, क्योंकि समुद्र की तह में परमेश्वर की लहरें थीं। और इसने उसके बच्चों के लिए, आज्ञाकारिता की पंक्ति में चलने के लिए रास्ता बनाया।

255 अब, परमेश्वर, यदि लाल सागर डर गया, और अपनी लहरों को, अपने जल को पीछे हटा लिया, और यात्रा करने वाले बच्चों को स्थान दिया जो आज्ञाकारिता में आगे की ओर बढ़ रहे थे; प्रिय परमेश्वर, तो आज रात, अपने पुत्र यीशु के लहू में से होते हुए देखें, जिसने प्रतिज्ञा को किया है। और जब ये रुमाल लोगों के बीमार शरीरों पर रखे जाते हैं, होने पाए कि परमेश्वर की आंखें देखें, और होने पाए वह बीमारी, वह शैतान, डर जाए और पीछे हट जाए। और होने पाए लोग अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति के साथ प्रतिज्ञा के देश की यात्रा को जारी रखें। जब इस्राएली जंगल में से होते हुए आगे बढ़े, तो दूसरे छोर पर उनके बीच एक भी निर्बल व्यक्ति नहीं था। होने पाए ऐसा इन लोगों के लिए प्रदान किया जाए, पिता, क्योंकि हम इन रुमालों को यीशु मसीह के नाम में भेज रहे हैं। आमीन।

256 परमेश्वर आपको आशीष दे, हर एक को। जब आप अपने रूमालों को लेते हैं, आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे। क्या आप विश्वास करते हैं

कि परमेश्वर इसे सुनता है? देखा? मैं—मैं यह कहना चाहता हूं। ना ही, ना ही एक बिंदु भी संदेह करें। देखो, यह हो सकता है बहुत ही अजीब सा लगे। मुझे क्षमा करें, बस एक मिनट सुनना। ना ही, ना ही एक बिंदु भी संदेह करें। लेकिन अब यह विश्वास करें, हमने जो मांगा है, परमेश्वर इसे देता है।

257 क्या आप विश्वास करते हैं कि यहाँ यही परमेश्वर है, जो आपके हृदय के भेद को जानता है? आप जानते हैं और विश्वास करते हैं कि यही परमेश्वर है? अब बस अपने मन को स्थिर करे, ये और कुछ भी और नहीं हो सकता है। समझे?

258 अब, क्या हो यदि एक आने वाला महान कल हो, तो आने वाले वर्षों में यह सब इतिहास बन जाएगा। और जब आने वाले वर्षों में लोग, यदि ऐसा हुआ, तो वे आकर और कहेंगे, "खैर, यदि मैं उस समय पर रहा होता और यह सब होते हुए देखता, भाई, तो बस इतना ही जानना मेरे लिए पर्याप्त होता। मैंने ठीक तभी इसका विश्वास किया होता!" देखो, यह वही चीज है जिस पर आप विश्वास करते हो, यदि आप वहां पहले होते थे, जब उसने इसे तब किया था! याद रखें, यह अब भी वही है। यह उसका जीवन आप में है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

65-0426 अपने वचन को साबित करता है
एम्बस्सी होटल
लोस एंजलिस, कैलिफोर्निया यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org